mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-292 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
22 अक्टूबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

वह दिन नदीम...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी में टंकी काटते समय धमाका, जिंदा जली महिला

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में सोमवार दोपहर कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। तेज धमाके के साथ लगी आग में एक महिला जिंदा जल गई। परिवार के अन्य लोग झुलस गए। हादसा गोदाम में सीएनजी की टंकी को गैस कटर से काटते समय हुआ। सीएनजी की टंकी में गैस भरी थी। तभी गोदाम मालिक ने कटर चलाना शुरू कर दिया। कटर की चिंगारी से गैस ने आग पकड़ ली। गोदाम आग का गोला बन गया। धमाके की आवाज 2 किमी तक सुनाई थी। फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग पर काबू पाया। एक घंटे की आग में गोदाम का सारा सामान भी जलकर राख हो गया। पुलिस ने अधजले शव को पोस्टमॉर्ट्म के लिए भेज दिया।

सीएम नीतीश ने डीजीपी के आगे जोड़े हाथ

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के डीजीपी आलोक राज के सामने हाथ जोड़ लिए। उन्होंने डीजीपी से हाथ जोड़ते हुए कहा कि जल्द नियुक्ति करा दीजिए। अगले साल चुनाव होना है, ऐसे में 6 महीने में पुलिस बहाली पूरी कर लीजिए।

पुलिस विभाग के कार्यक्रम में नीतीश कुमार खुले मंच से डीजीपी के सामने हाथ जोड़कर उनसे अपील करने लगे। डीजीपी की तरफ हाथ जोड़ते हुए सीएम ने कहा कि जल्दी से और भी नियुक्ति करा दीजिए, पुलिस में महिलाओं की संख्या 35 फीसदी करिए। सीएम सोमवार को बापू सभागार में नव नियुक्त दरोगा को नियुक्ति पत्र बांटने पहुंचे थे। जहां अपने भाषण के दौरान उन्होंने डीजीपी के आगे हाथ जोड़ लिए।

24 अक्टूबर को ओडिशा के तटों से टकराएगा साइक्लोन दाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा।

मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है।

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 4 नक्सली ढेर

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है, जहां पुलिस ने चार नक्सलियों को मार गिराया। मीडिया सूत्रों ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से इसकी पुष्टि की है।

फ्लाइट्स में बम की धमकी पर एक्शन लेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि फ्लाइट्स में बम की धमकियों से निपटने के लिए कानूनी कार्रवाई करने की योजना बनाई जा रही है। धमकी देने वालों को नो-फ्लाई लिस्ट में डाला जाएगा। एविएशन सिक्योरिटी नियमों के साथ ही सिविल एविएशन एक्ट, 1982 में संशोधन की भी योजना बनाई जा रही है।वहीं, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के महानिदेशक जुल्फिकार हसन और सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने भी सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की। करीब आधे घंटे चली, लेकिन बैठक का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है। गृह मंत्रालय ने फ्लाइट्स में बम की धमकियों के संबंध में सिविल एविएशन मिनिस्ट्री और बीसीएएस से डिटेल रिपोर्ट मांगी थी। सीआईएसएफ, एनआईए और आईबी को भी रिपोर्ट देने को कहा गया था।

अब तक 100 धमकियां मिल चुकीं

आतंकी पन्नू ने दी एअर इंडिया में विस्फोट की धमकी

अमृतसर(एजेंसी)। अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी। पन्नू ने कहा- नवंबर में 1984 में हुए सिख दंगों की 40वीं बरसी है। 1984 में 13 हजार से अधिक सिख, महिलाओं और बच्चों को मार दिया गया। आज भी दिल्ली में विधवा कॉलोनी है। ये पूरी घटना भारतीय हुकूमत द्वारा की गई थी। विदेशों में यात्रा करने वाले लोग 1 से लेकर 19 नवंबर तक एअर इंडिया का बायकॉट करें।

सपा सांसद राम गोपाल यादव ने सीजेआई को अपशब्द कहे

कहा- अभी भी उन्हें मंदिर और बाबरी मस्जिद दिख रहा है

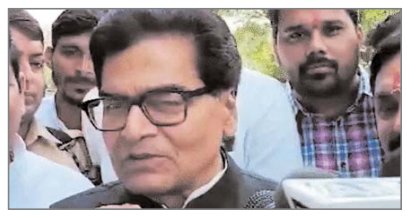

मैनपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के महासचिव राम गोपाल यादव ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- जब मुर्दों को जिंदा करे हो, तो वो भूत बन जाते हैं। कहां हैं वो? अब भी मंदिर और बाबरी मस्जिद दिख रहा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार (20 अक्टूबर 2024) को कहा था कि उन्होंने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। सीजेआई ने कहा कि अगर आस्था हो तो भगवान कोई भी रास्ता निकाल देते हैं।

दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा : प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एनडीटीवी वर्ल्ड समिट में वैश्विक स्तर पर भारत के उदय के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि 21वीं सदी 'भारत की सदी' क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत के सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं। एनडीटीवी वर्ल्ड को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने भारत के विकास की गति और गति के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने कहा भारत की तेज वृद्धि - दुनिया में सबसे तेज - और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखते हुए, कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से नज़र रख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है।

जयपुर से सामने आई करवा चौथ की खौफनाक तस्वीर!

- लेट पहुंचा पति तो पत्नी ट्रेन के आगे कूदी, फिर हसबैंड ने भी उठाया ये कदम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में करवा चौथ के दिन दिल दहला देने वाली घटना घटी। यहां पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद दोनों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। यह घटना हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नांगल सिरस गाँव की है। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को करवा चौथ के दिन घनश्याम (38) नामक व्यक्ति अपने काम से देर से घर पहुंचा था। देर से आने की वजह से उसकी पत्नी मोनिका (35) नाराज हो गई। इसके बाद दोनों में कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मोनिका घर से बाहर चली गई और जयराम ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूद कर उसने जान दे दी। घटना के बाद जब पति धनश्याम मौके पर पहुंचा तो मोनिका का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला।

गांदरबल के गगनगीर इलाके में आतंकी हमला

- डॉक्टर समेत 6 मजदूरों की मौत, 3 बिहार के
- लश्कर के संगठन टीआरएफ ने ली जिम्मेदारी

रेकी के बाद टनल साइट पर की थी फायरिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में रविवार देर रात हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। मीडिया सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टीआरएफ चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड था।

गांदरबल के गगनगीर इलाके में श्रीनगर-लेह नेशनल हाईवे की टनल कंस्ट्रक्शन साइट पर आतंकियों ने फायरिंग की। हमले में बड़गाम के डॉक्टर शहनवाज मीर और पंजाब-बिहार के 6 मजदूरों की जान चली गई।

हमले में शामिल लोगों को बशा नहीं जाएगा : अमित शाह

इस जघन्य और कायरतापूर्ण हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्हें हमारे सुरक्षाबलों की ओर से कठोरतम जवाब का सामना करना पड़ेगा। इस दुख की घड़ी में मैं मृतकों के परिवारों के साथ हूं।

हमला कायरतापूर्ण : राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर का हमला कायरतापूर्ण और अक्षम्य अपराध है। आतंकियों का यह दुस्साहस जम्मू-कश्मीर में निर्माण का क्रम और लोगों का विश्वास कभी नहीं तोड़ पाएगा। इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है।

मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं: सीएम ने गैर-स्थानीय मजदूरों पर कायरतापूर्ण हमला बहुत दुखद है। ये लोग इलाके में एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। मैं निहत्थे निर्दोष लोगों पर इस हमले की कड़ी निंदा करता हूं।

योगी सरकार को सुप्रीम झटका

मदरसा छात्रों का सरकारी स्कूलों में दाखिले वाले आदेश पर रोक

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के मदरसा छात्रों को लेकर बड़ा आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने 21 अक्टूबर सोमवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा जारी निर्देशों के अमल पर रोक लगा दी, जिसमें यूपी सहित कई राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में शिफ्ट करने का आग्रह किया गया था। आज यह मामला भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष आया, जिसमें जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल थे।

चंद्रबाबू बोले- लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें

- जिनके 2 से ज्यादा बच्चे, भविष्य में वही चुनाव लड़ेंगे
- आंध्र में कई जिले ऐसे, जहां सिर्फ बुजुर्ग

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य में लोगों की बढ़ती औसत उम्र चिंता का विषय है। परिवारों को कम से कम दो या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने चाहिए। आने वाले समय में जिनके दो या उससे ज्यादा बच्चे होंगे, वहीं स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पाएंगे। राज्य सरकार इसके लिए जल्द ही कानून बनाएगी। नायडू ने आगे कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं, जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। साउथ के राज्यों में फर्टिलिटी रेट लगातार गिरता जा रहा है। देश में औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं साउथ स्टेट्स में यह आंकड़ा गिरकर 1.6 तक पहुंच गया है। ष्टरू ने कहा, पहले वह पॉपुलेशन कंट्रोल की बात करते थे लेकिन अब स्थिति बदल गई है।

बूढ़ा हो रहा भारत, युवा आबादी घट रही- केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के मुताबिक 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी, जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है।

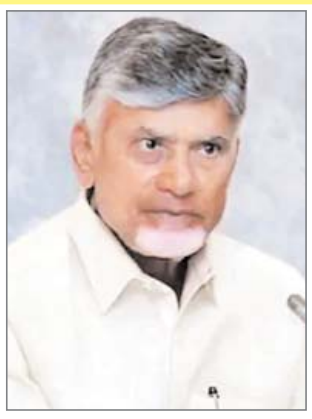

स्टालिन बोले- लोग 16 बच्चे पैदा करने की कहावत पर लौट सकते हैं- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि लोकसभा सीटों के परिसीमन से कई लोग 16 बच्चे पैदा करने की तमिल कहावत पर लौट सकते हैं। लेकिन जो भी हो, तमिल लोगों को अपने बच्चों के तमिल नाम ही रखना चाहिए। स्टालिन चेन्नई में 31 जोड़ों के शादी समारोह में पहुंचे थे। यहां ही उन्होंने बयान दिया।

स्टालिन ने ये भी कहा कि बीते समय में हमारे बड़े-बूढ़े नवदंपतियों को 16 प्रकार की संपत्ति अर्जित करने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें शोहरत, शिक्षा, संपत्ति, वंशावली शामिल हैं। अब लोग संपन्नता के लिए छोटे परिवार में विश्वास करने लगे हैं।

क्या होता है फर्टिलिटी रेट- नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक, भारत में हर महिला औसतन दो या उससे ज्यादा बच्चे को जन्म देती है। हालांकि इनमें से कई बच्चे ऐसे हैं जो 18 साल तक जीवित नहीं रहते। वहीं कुछ महिलाएं बच्चे पैदा नहीं कर पातीं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली-एनसीआर में लागू हुआ ग्रैप-2

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों के बढ़ने के साथ ही प्रदूषण भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस बीच दिल्ली में ग्रैप-2 की पाबंदियां लागू कर दी हैं। एक्यूआई लेवल 300 से ज्यादा होने पर सीएक्यूएम ने आदेश जारी किया। मंगलवार सुबह 8 बजे से ग्रैप-2 लागू होगा। इस आदेश के लागू होते ही दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटर पर रोक लगेगी।

क्या है जीआरएपी ?

ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा बनाया गया एक योजना है। इसके अंतर्गत प्रदूषण के स्तर के अनुसार विभिन्न चरणों में पाबंदियां लगाई जाती हैं। जैसे-जैसे प्रदूषण बढ़ता है, वैसे-वैसे जीआरएपी के चरण भी बढ़ते हैं।

भारत-चीन लद्दाख में पेट्रोलिंग के नए सिस्टम पर सहमत

- एलएसी से सैनिक पीछे हटा सकते हैं दोनों देश
- गलवान जैसा टकराव को टाला जा सकेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिक्स समिट में शिरकत से पहले भारत और चीन के बीच बड़ा समझौता हुआ है। दोनों देश लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर पेट्रोलिंग के लिए सहमत हो गए हैं। इससे पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के बीच सीमा विवाद सुलझ सकता है और टकराव में भी कमी आ सकती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को इस समझौते की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले कई हफ्तों से भारत और चीन के अधिकारी इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। सेना के अफसर भी बातचीत में शामिल थे।

पेट्रोलिंग के नए सिस्टम पर सहमति के बाद दोनों देश सेनाएं पीछे हटा सकते हैं। देपसांग प्लेन डेमचोक में सैनिकों को पेट्रोलिंग पॉइंट्स पर जाने की इजाजत अभी नहीं है। यहां सेनाएं अभी मौजूद हैं। पेट्रोलिंग का नया सिस्टम इन्हीं पॉइंट्स से संबंधित है। इससे 2020 के गलवान जैसे टकराव को टाला जा सकता है।

2020 में गलवान में हुआ था चीन-भारत की सेना में टकराव

लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून 2020 को भारत-चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी। इसी के बाद दोनों देशों के बीच विवाद गहराया।

आर्मी चीफ ने कहा था- हमें लड़ना भी है, सहयोग भी करना है- 1 अक्टूबर को भारत के आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था कि चीन के साथ भारत के हालात स्थिर हैं, लेकिन ये सामान्य नहीं हैं, काफी संवेदनशील हैं। चीन के साथ हमें लड़ना भी है, सहयोग करना है, साथ रहना है, सामना करना है और चुनौती भी देनी है। उन्होंने कहा था कि भारत और चीन के बीच अप्रैल से अब तक कमांडर लेवल की 17 बैठकें हुई हैं। इन बैठकों में हमने कई मुद्दों पर चर्चा की है।

जिनेवा में विदेश मंत्री ने कहा था- चीन से विवाद का 75 प्रतिशत हल निकला- जयशंकर ने कहा था कि समस्या का समाधान ढूंढने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

गो वन्य विहार, डिप्टी सीएम ने किया था जुलाई में शिलान्यास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। रीवा जिले में जिस गौ गो वन विहार के लिए 3 महीने पहले जुलाई में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भूमिपूजन किया था, उसका काम शुरू नहीं हो सका है, क्योंकि जिला पंचायत रीवा को इस कार्य को शुरू करने के लिए मनरेगा के तहत 37 लाख रुपए नहीं मिले। गो वन विहार रीवा की मनगवां विधान सभा क्षेत्र की गंगदेव जनपद पंचायत के हिनौती गांव में 1303 एकड़ जमीन पर बनना है। इस गो वन विहार में 20 से 25 हजार गोवंश को रखा जा सकेगा। योजना की प्रारंभिक लागत 1.47 करोड़ थी। लेकिन शुरुआत में 10 शेड बनाने का काम मनरेगा के तहत केवल 37 लाख रुपए से होना था। दरअसल, रीवा की मनगवां विधान सभा क्षेत्र की गंगदेव जनपद पंचायत के हिनौती गांव में लंबे समय से गो वन विहार की मांग रही है। सामाजिक कार्यकर्ता इसके लिए लगातार संघर्ष करते रहे हैं। इसके बाद उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने एक बड़े समारोह में इस साल 22 जुलाई को गोवंश वन्य विहार गोधाम का शिलान्यास किया था। प्रारंभिक तौर पर 10 पशु शेड बनाए जाने के लिए मनरेगा योजना के तहत प्रस्ताव मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रीवा एवं जिला कलेक्टर द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रमुख सचिव को भेजा गया था। लेकिन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने एक पत्र में विभाग ने रीवा कलेक्टर को जानकारी दी है कि जिले में मनरेगा के तहत चल रहे 18,275 कामों के लिए कुल 340 करोड़ की आवश्यकता है जबकि उपलब्ध बजट महज 84 करोड़ है। ये भी कहा गया की योजना में सामग्री लागत बजट की 40त्न तय सीमा से अधिक है। इन वजहों गौशाला निर्माण की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

एमपीपीएससी मेंस परीक्षा, भोपाल से 327 छात्र हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा सोमवार को शुरू हुई। परीक्षा प्रभारी एवं उपायुक्त किरण गुप्ता ने बताया, एमपीपीएससी के लिए भोपाल में एक सेंटर बनाया गया है, जो शासकीय गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल वन ट्री हिल्स बैरागढ़ है। परीक्षा 21 से 25 अक्टूबर तक चलेगी। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक परीक्षा होगी। कुल 362 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड है। पहले दिन की परीक्षा में 327 उपस्थित हैं, जबकि 35 अनुपस्थिति रहे। आयोग ने परीक्षा के लिए प्रदेशभर के 11 शहरों में 15 केंद्र बनाए हैं जिनमें से इंदौर में सर्वाधिक पांच केंद्र बनाए हैं। बता दें कि मप्र आयोग ने परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ निर्धारित निर्देशों के अनुसार परीक्षा हॉल में बैठने से पहले मोबाइल, घड़ी और कोई भी इलेक्ट्रॉनिक यंत्र या वस्तु पूरी तरह से प्रतिबंध कर छात्रों से उतरवा ली गई।

सुरक्षा पर संजीदगी नहीं-इंदौर में सीसीटीवी सर्विलांस अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर के विस्तार और आबादी के साथ अपराधों का ग्राफ बढ़ रहा है लेकिन शहर की गतिविधियों, संदिग्ध वाहनों और असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। सीमित रास्तों और चौराहों पर सिटी सर्विलांस एवं आईटीएमएस के सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इनमें भी ज्यादातर खराब रहते हैं। इसके बाद भी भोपाल में सामुदायिक कैमरा निगरानी प्रणाली (सीसीटीवी कैमरा) को आवश्यक नहीं समझा गया है। इधर, पिछले दिनों नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इंदौर को मध्य भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक और शैक्षणिक केंद्र मानते हुए यहां सीसीटीवी कैमरा पॉलिसी लागू कर दी है। इसकी जिम्मेदारी कमिश्नर नगर पालिक निगम को सौंपी गई है। इसमें 100 से ज्यादा लोगों के इकट्?ठा होने वाले स्थान और 1500 वर्गफीट के अधिक के प्लॉट साइज पर होने वाले आयोजनों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए गए हैं। सीमित रास्तों पर ही हैं कैमरे= वारदात करके भागना या छिपना बदमाशों के लिए आसान 2015-16 में सिटी सर्विलांस के तहत 153 लोकेशन पर 781 सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इनमें फिक्स और पीटीजेड कैमरे शामिल हैं।

आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे-राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में पुलिस, सशक्त समाज का आधार होती है। पुलिस की सक्रियता और उसका व्यवहार आम आदमी को सुरक्षित महसूस कराता है। आमजन के प्रति पुलिस सजग, संवेदनशील और विनम्र रहे। राज्यपाल श्री पटेल पुलिस स्मृति दिवस पर भोपाल के लाल परेड ग्रांउड में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित कर शहीद पुलिस कर्मियों के परिजन से आत्मीय मुलाकात की। कार्यक्रम में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस, समाज का अभिन्न हिस्सा है। पुलिस की सक्रिय भागीदारी के बिना विकास की सोच को फलीभूत करना संभव नहीं है। विकास के लिए समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हम सब के लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश पुलिस की गणना देश के श्रेष्ठ बलों में की जाती है। प्रदेश पुलिस ने 'देशभक्ति-जनसेवा' के सूत्र वाक्य को सार्थक किया है। कर्त्तव्यनिष्ठा के उच्च प्रतिमान के साथ कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है कि कानून-व्यवस्था को सुनिश्चित करते हुए देश-प्रदेश की अखंडता, सामाजिक और सांस्कृतिक सद्भाव को बनाए रखें।

जनता से समन्वय बनाए रखना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बदलती परिस्थितियों के अनुरूप पुलिस स्वयं को निरंतर अपडेट रखे। राज्यपाल श्री पटेल ने एक ही दिन में सवा लाख पौधे रोपने, सभी जिलों में पुलिस बैंड और महिला थाना की स्थापना, पुलिस परिवारों के लिए 25 हजार मकान बनाने के लक्ष्य एवं 950 महिला ऊर्जा डेस्क की स्थापना जैसे कार्यों के लिए प्रदेश पुलिस की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल को कार्यक्रम में पाल-बेयरर पार्टी द्वारा शहीद जवानों की सम्मान सूची सौंपी गई। पार्टी द्वारा परेड सलामी की समस्त कार्यवाही की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने श्रद्धांजलि उद्बोधन दिया। उन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के दुर्गम इलाकों में हुई भारतीय जवानों के शौर्य और शहादत को नमन् किया। साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस के शहीद जवानों को भी श्रद्धा-सुमन अर्पित किये। वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस अधिकारियों और विशिष्टजनों ने शहीद स्मारक पर पुष्पाजंलि अर्पित की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन. मिश्रा, एडीजी श्री शापू, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेनानिवृत्त पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

नर्मदा कैबिनेट कमेटी का रिव्यू नवम्बर के दूसरे हफ्ते में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जीवन दायिनी नर्मदा नदी के किनारों का सेटेलाईट और ड्रोन से कैचमेंट सर्वेक्षण होगा। सरकार इसकी निगरानी भी कराएगी। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का सीमांकन किया जाएगा। जहां अतिक्रमण हैं, वहां से अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। इसके साथ ही नर्मदा की सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने का काम किया जाएगा। नर्मदा किनारे बसे धार्मिक स्थलों, अमरकंटक और ओंकारेश्वर को सेटेलाईट सिटी के रूप में विकसित करने कार्ययोजना तैयार होगी। नर्मदा के किनारे बड़ी बिल्डिंग के निर्माण नहीं किए जा सकेंगे। इस काम का रिव्यू नवम्बर के दूसरे सप्ताह में किया जाएगा। इसके लिए 11 विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। मोहन सरकार ने सितम्बर में इसको लेकर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में फैसला किया था। इस समिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहाद पटेल, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और वन मंत्री राम निवास रावत शामिल हैं। इसके अलावा मुख्य सचिव और योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के एसीएस भी इस बैठक में शामिल रहे थे।

भोपाल में सबसे ज्यादा नॉइस पॉल्यूशन हमीदिया रोड पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की हमीदिया रोड पर शहर में सबसे ज्यादा नॉइस पॉल्यूशन है। मध्यप्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 6 महीने (1 अप्रैल से 30 सितंबर) की रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, हमीदिया रोड पर पिछले 6 महीने में अधिकतम अगस्त में एवरेज 68 डेसिबल तक नॉइस पॉल्यूशन दर्ज किया गया है। यह डेसिबल शहर के इंडस्ट्रियल एरिया से भी अधिक है। सबसे कम नॉइस पॉल्यूशन गोविंदपुरा और बैरागढ़ में दर्ज किया गया। यहां पर यह अगस्त में 50 से भी कम डेसिबल पर दर्ज हुआ। पर्यावरण के जानकारों की मानें तो हमीदिया रोड पर बहुत ज्यादा ट्रैफिक, रेलवे स्टेशन और कमर्शियल एक्टिविटी रहती है। इस रोड पर पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट) आम दिनों में 8 से 10 हजार हैं। मतलब पीक ऑवर में यहां से प्रति घंटा 8 से 10 हजार गाड़ियां गुजरती हैं। डीजे - बैंड भी लगातार गुजरते रहते हैं। भोपाल में डीजे की तेज आवाज से एक 13 साल के बच्चे की मौत का मामला सामने आ चुका है। घटना 14 अक्टूबर की शाम की है। समर बिल्लौरे (13) मां दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए जा रहे चल समारोह में डीजे पर डांस कर रहा था। परिवार का आरोप है कि जैसे ही डीजे का साउंड तेज हुआ, समर बेहोश हो गया। उसे नजदीकी अस्पताल लेकर गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। नॉइस लेवल का एवरेज लगातार 55 डेसिबल से ज्यादा है, तो कई तरह की शारीरिक और मानसिक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। 5 साल से छोटे बच्चों और 75 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज की संभावना बढ़ेगी। इलाके में रहने वाले लोगों में चिड़चिड़ापन भी बढ़ेगा। यहां पर सरकार को वॉर्निंग बोर्ड लगाने चाहिए। इस रिपोर्ट को दिन और रात के आधार पर बनाना चाहिए।

हिंद युग्म उत्सव का समापन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में घुमंतू साहित्यक जलसे हिंद युग्म उत्सव का रविवार को समापन हुआ। उत्सव दो दिन तक आराधना नगर के कुक्कुट भवन में जारी रहा। समापन कार्यक्रम में कॉमेडियन-एक्टर परितोष त्रिपाठी ने अपने ह्यूमर से माहौल मजेदार बनाया। परितोष त्रिपाठी की नई किताब 'इश्क 12वीं पास' का कवर पेज रिलीज हुआ। पद्मश्री प्रहलाद टिपानिया ने कबीर गायन की प्रस्तुति से समां बांधा। एक्टर फैसल मलिक ने लेखक दिव्य प्रकाश दुबे से ओटीटी पर चर्चा की। इस बातचीत में न केवल उन्होंने अपने किरदार प्रहलाद चा पर बात की, बल्कि यह भी बताया कि उन्होंने फिल्म मेकिंग से जुड़े लगभग सभी काम किए हैं। इसके अलावा उन्होंने कंटेंट पिचिंग और अपने काम को कैसे निखारा जाए, इसपर भी बात की। लेखक दिव्य प्रकाश दुबे ने एक और किताब 'टेंशन मत ले यार' का कवर पेज रिलीज किया। हिंद युग्म उत्सव के संस्थापक शैलेश भारतवासी ने बताया दो दिन में 25 से ज्यादा सेशन हुए। दिव्य प्रकाश के अलावा नीलोत्पल मृणाल, परितोष त्रिपाठी, अमन अक्षत जैसे लोकप्रिय लेखक कार्यक्रम का हिस्सा बने। इस दौरान स्थानीय कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई गई। हैंडमेड ज्वेलरी, हैंडमेड बैग के माध्यम से भोपाल और आसपास के जिलों के कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिला। बीड ब्रेडिंग ज्वेलरी के माध्यम से स्थानीय कला का प्रदर्शन करने आईं रचना आर्या बताती हैं, %यह अपने तरह का एकदम अलग क्राफ्ट है और वे इसकी एक अलग पहचान बनाने के लिए इस प्रदर्शनी में लेकर आई हैं। उन्होंने कहा कि उनकी ज्वेलरी मध्य प्रदेश के ट्रेडिशन ट्राइबल बीड ज्वेलरी से प्रेरित है। इसके अलावा भोपाल के लोकल ब्रॉड रमन ग्रीन ने पौष्टिक कुकीज और मठरी की प्रदर्शनी लगाई। ये कुकीज बिना मैदा, ट्रांस फैट और रिफाइंड शुगर के बना था और मठरी भी बेक की हुई थी।

दिवाली और धरतेरस पर हाई अलर्ट पर रहेंगी 108 एम्बुलेंस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धनतेरस और दिवाली पर 108 एम्बुलेंस सिस्टम और उसका इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर हाई अलर्ट पर रहेंगे। इस बारे में 108 एंबुलेंस प्रबंधन ने निर्देश जारी कर दिए हैं। सीनियर मैनेजर तरुण सिंह ने बताया कि नए शहर, पुराने शहर, कोलार, बाग सेवनिया, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, गांधीनगर, गांधी मेडिकल कॉलेज, एमपी नगर, टीटी नगर, बिट्टन मार्केट, हमीदिया निशातपुरा, बैरसिया रोड समेत अन्य 48 प्रमुख लोकेशन पर 108 एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी। वाहन में इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन तैनात रहेंगे, जिससे लोगों को प्री हॉस्पिटल केयर की सुविधा मिल सकती है। सिंह ने बताया कि 6269695935 नंबर पर वॉट्सएप मैसेज करके एंबुलेंस को बुक कर सकते हैं। मैसेज करने के बाद कुछ जरूरी जानकारी मांगी जाएगी। इसे फीड करने के बाद एंबुलेंस भेज दी जाएगी।

सालाना 4 करोड़ व मुनाफे में जो हिस्सा देगा उसे मिलेगा होटल लेक व्यू अशोका

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। होटल लेक व्यू अशोका की लीज केवल उन्हीं फर्मों, एजेंसियों या होटल संचालन से जुड़ी कंपनियों को दी जाएगी, जो पर्यटन विभाग को हर साल करीब 4 करोड़ रुपए की फिक्स राशि देंगी। साथ ही, मुनाफे में भी ज्यादा हिस्सा दे सके, इसका ध्यान रखा जाएगा। मुनाफे की हिस्सेदारी का प्रतिशत भी तय किया जाएगा और इसे टेंडर की शर्तों में शामिल किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि फिक्स राशि 4 करोड़ के अलावा टेंडर की शर्तों में मुनाफा 3-5त्न तक रखा जाता है, तो जो भी होटल उद्योग से जुड़ी कंपनी इससे अधिक का ऑफर देगी, उसे होटल

अशोका का संचालन सौंपा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, होटल अशोका की शर्तें आसपास के निजी होटलों की कमाई के आंकलन पर आधारित हैं। अधिकारियों का मानना है कि जब निजी क्षेत्र के कारोबारी इस होटल को अपने नियंत्रण में लेकर सेवन स्टार श्रेणी में विकसित करेंगे, तो इसका टर्नओवर आसपास के होटलों से डेढ़ गुना बढ़ जाएगा। इसलिए, मुनाफे में हिस्सेदारी बढ़ाने से पर्यटन विभाग भी होटल के संचालन में पूरा सहयोग दे सकेगा। दस समूहों ने दिखाई रुचि = होटल लेक व्यू अशोका को बेचने या लीज पर देने की प्रक्रिया कुछ साल पहले शुरू हुई थी। जब एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) बुलाया गया था। तब राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत अन्य क्षेत्रों के दस बड़े होटल समूहों ने रुचि दिखाई थी। लेकिन उस समय मामला आगे नहीं बढ़ा। अब फिर से यह प्रक्रिया शुरू हो रही है। हालांकि, वित्त विभाग की मंजूरी के बाद भी बाकी प्रक्रिया में समय लग सकता है। एमपीटी ब्रांड के तहत बेकरी= मध्य प्रदेश का पर्यटन विभाग अब बेकरी व्यवसाय में भी प्रवेश करने जा रहा है। इसकी शुरुआत राजधानी भोपाल के पलाश होटल से होगी। जहां एक बेकरी यूनिट स्थापित की जाएगी। इसे 'एमपीटी' ब्रांड नाम दिया जाएगा। भोपाल के सभी बड़े ब्रांडों की क्वालिटी और कीमत का आकलन करके नया ब्रांड लॉन्च करने की योजना है।

पूरे शहर के बाजारों में सड़क किनारे से हटाया अतिक्रमण, पर 15 दिन में फिर हो गया कब्जा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर में वर्षों पुराने अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम कार्रवाई करता है, लेकिन अगले कुछ दिन में ही स्थिति वापस जस की तस हो जाती है। बता दें कि 6 दिन पहले नवबहार सब्जी मंडी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। अतिक्रमण हटने के बाद सड़क चार गुना चौड़ी हो गई थी। लेकिन, अगले ही दिन से मंडी में वापस अतिक्रमण कर लिया गया। इसके अलावा नगर निगम ने बाजारों से लगभग 20 दिन पहले अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाया था। इसमें 6 विधानसभा क्षेत्रों में अतिक्रमण अमले ने मिलकर कार्रवाई की थी। इस दौरान

भोपाल टॉकीज से डीआईजी बंगला, जिंसी चौराहा, शब्बन चौराहा, न्यू मार्केट और एमपी नगर-जोन-2 से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। इन सभी 6 विधानसभा क्षेत्र के बाजारों से अतिक्रमण हटे अभी 15 दिन ही हुए हैं और अतिक्रमण के हालात वापस पहले जैसे हो गए हैं। भोपाल टॉकीज से डीआईजी बंगला तक नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने सड़क किनारे से कब्जे हटाते हुए 11 ट्रक सामान जब्त किया था। यहां दोबारा से 100 से ज्यादा हाथ ठेलों ने सड़क किनारे कब्जा जमा लिया है। साथ ही 100 से ज्यादा दुकानें सड़क किनारे टेबल और जमीन पर सामान रखकर बेचने की चलने लगी हैं।

न्यू मार्केट = यहां लगातार नगर निगम अमला अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। इसके बावजूद कार्रवाई के अगले दिन अतिक्रमण ने जगह ले ली है। इसमें टॉप एंड टाउन के सामने और अंडरग्राउंड दुकानों के लिए बनी सीढ़ी पर भी दोबारा अतिक्रमण हो गया है। टीटी नगर पोस्ट ऑफिस के सामने ठेले खड़े होने लगे हैं।

नवबहार सब्जी मंडी = यहां पिछले रविवार को नगर निगम अमले ने अतिक्रमण हटाया था । इस दौरान 70 से ज्यादा स्थायी और अस्थायी कब्जे हटाए गए थे। नगर निगम की सख्त कार्रवाई के बाद भी यहां दुकानदारों ने अगले ही दिन अतिक्रमण कर लिया। स्थायी दुकानों के साथ यहां फल सब्जी के हाथ ठेले व दुकानें लगने लगी हैं।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करायें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता पर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि इस माह से पुनः समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसके लिए विषयों का चयन कर लिया गया है। सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन में चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि अन्य शिकायतों का भी निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। अन अटेन्डेड तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम होनी चाहिए। बजट के अभाव के कारण लंबित शिकायतों को छोड़कर शेष सभी शिकायतों का शतप्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करायें।

दीपावली के त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने पटाखों के विक्रय के लिए स्थल चिन्हांकित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही पटाखों के गोदाम, भंडारण स्थल आदि के निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों के विक्रय के रोकने के लिए खाद्य सामग्रियों की सतत जांच करने और सैम्पल लेने के निर्देश दिए गए हैं।

रीवा-सीधी-सिंगरौली नई रेल लाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने भू-अर्जन से संबंधित सभी कार्यवाहियां अभियान चलाकर तीन दिवस में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अवार्ड वितरण से संबंधित सभी मामलों में भुगतान की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अवार्ड से संबंधित सभी भूमियों में खसरे में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं।

जन सुरक्षा अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का होगा आयोजन: भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत पात्र नागरिकों को सुरक्षा प्रदान किए जाने हेतु ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष अभियान चलाया जाएगा। 15 अक्टूबर 2024 से 15 जनवरी 2025 तक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित की जायेगी। कलेक्टर ने विभागीय समन्वय के साथ शिविरों का आयोजन करने तथा सभी नागरिकों को बीमा योजना के विषय में जागरूक कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनजातीय बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों के लिए परिपूर्णता लक्ष्य को अपनाकर जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान को मंजूरी दी। उक्त अभियान के तहत सीधी जिले के 134 जनजातीय बहुल गांव लाभान्वित होंगे। विकासखंड कुसमी के 37, मझौली के 24, सिहावल के 14, सीधी के 48 तथा रामपुर नैकिन के 11 गांव लाभान्वित होंगे। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान का उद्देश्य भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना और पीएम जनमन (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) की सीख और सफलता के आधार पर जनजातीय क्षेत्रों एवं समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है। इस मिशन में 25 कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें 17 मंत्रालयों द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को संबंधित विभागों से समन्वय कर लक्ष्य की प्राप्ति के निर्देश दिए हैं।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सी.एम. राइज त्योंथर विद्यालय में छात्रों की संख्या और परिणामों में वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। सी.एम. राइज विद्यालय ने प्रगति की दिशा में नया मुकाम हासिल किया है। विद्यालय के प्राचार्य नागेश्वर शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ छात्रों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहाँ पहले 2022-23 तक छात्र संख्या 325-330 के बीच थी, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 465 हो गई है। हाल ही में, सुजल तिवारी ने 91% अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह पहली बार है जब इस विद्यालय का कोई छात्र इतने उच्च अंक लेकर उभरा है, जिससे पूरे क्षेत्र में विद्यालय का मान बढ़ा है।

लोगों का कहना है कि निजी विद्यालयों से भी छात्रों का रुझान अब सी.एम. राइज विद्यालय की ओर बढ़ रहा है, जिससे यह साफ है कि विद्यालय की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके बावजूद कुछ लोग गलत सूचना फैला रहे हैं कि विद्यालय में छात्र संख्या घट रही है, जो वास्तविकता से परे है। इसके साथ ही, त्योंथर ब्लॉक के बीईओ के कार्यभार संभालने के बाद से प्रशासनिक सुधार भी देखने को मिला है। लम्बे समय से चली आ रही वेतन भुगतान में देरी की समस्या को हल कर दिया गया है, और अब शिक्षकों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल रहा है, जो पहले 16-18 तारीख तक मिलता था। विद्यालय के इस विकास और प्रशासनिक सुधार ने पूरे ब्लॉक में शिक्षा की गुणवत्ता को नए स्तर पर पहुंचा दिया है।

सम्पदा 2.0 का जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला एवं जिला मूल्यांकन समिति की बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें जिला समिति के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। उक्त संबंध में नागरिक अपने सुझाव 22 अक्टूबर 2024 तक जिला पंजीयक एवं उप पंजीयक कार्यालय में कार्यालयीन समय में दे सकते हैं तथा प्रस्तावों का अवलोकन कर सकते हैं।

इसके पूर्व शासन के निर्देशानुसार सीधी में सम्पदा 2.0 का जिला अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल द्वारा बताया गया कि सम्पदा 2.0 से दस्तावेजों के पंजीयन की प्रक्रिया अत्यंत सरल व सहज हो गई है। पंजीयन के लिए पक्षकारों की आधार आधारित पहचान की प्रक्रिया लागू की गई है। संपत्ति की पहचान के लिए मूल विभाग भू-अभिलेख, नगरीय निकाय व ग्राम पंचायत से डाटा प्राप्त किया जाएगा तथा जियो लोकेशन के आधार पर पंजीयन सम्पन्न होगा। पंजीकृत दस्तावेज केवल इलेक्ट्रानिक रूप से ही मिलेगे।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी, चुरहट शैलेश द्विवेदी सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में 6 साल की मासूम से रेप

पश्चिम बंगाल से मजदूरी करने सिंगरौली आया था आरोपी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची को गंभीर हालात में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वह पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। वह भी यहां मजदूरी करने आया है।

घटना नवा नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह की है। एसपी निवेदिता गुप्ता ने बताया कि बच्ची का परिवार शहडोल जिले से आया था। सोमवार को आरोपी बुद्धन कोल बच्ची को अकेला पाकर उसके पास पहुंचा और गलत हरकत की। बच्ची के माता-पिता भी यहां मजदूरी करते हैं।

दो डॉक्टरों की निगरानी में बच्ची: सिंगरौली ट्रॉमा सेंटर के सिविल सर्जन देवेंद्र सिंह ने बताया कि दो डॉक्टरों की टीम बच्ची की निगरानी कर रही है। उसे प्रॉपर तरीके से इलाज दिया जा रहा है। सभी तरह की व्यवस्थाएं मुहैया करा दी गई हैं। बच्ची की हालत स्थिर बनी हुई है।

एसपी ने कहा-ठेकेदार पर भी होगी कार्रवाई: बड़ा सवाल यह है कि बिना वेरिफिकेशन दूसरे राज्यों से आए मजदूर यहां कब से काम कर रहे हैं, कितनी संख्या में काम कर रहे हैं। इसकी जानकारी पुलिस को नहीं है। एसपी निवेदिता गुप्ता ने कहा कि इसमें ठेकेदार की लापरवाही है। उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

आतंकी हमले में सीधी के इंजीनियर की भी मौत

जम्मू-कश्मीर में सुरंग बनाते समय आतंकियों ने की फायरिंग, 7 की गई थी जान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में आतंकी हमले में मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले इंजीनियर अनिल शुक्ला (45) की भी मौत हो गई। वे जेपी फैक्ट्री में सिविल इंजीनियर थे। इन दिनों वह जम्मू-कश्मीर में सुरंग बनवाने का काम करा रहे थे। रविवार देर रात आतंकियों ने वहां अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसमें अनिल शुक्ला समेत 7 लोगों की मौत हो गई।

बेटा 11वीं, बेटी बीएससी सेंकड ईयर की स्टूडेंट: अनिल को पहले बिहार का बताया जा रहा था। बाद में पता चला कि वे मध्यप्रदेश के सीधी जिले के रहने वाले हैं। उनका एक बेटा और एक बेटी है। बेटा 11वीं और बेटी बीएससी सेकंड ईयर में पड़ती है। उनका परिवार कुछ समय से रीवा में रह रहा था।

भाई मुंबई से कश्मीर के लिए रवाना: चुरहट एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने बताया कि सेना की तरफ से फोन आया था कि अनिल शुक्ला आपके क्षेत्र के हैं या नहीं। इसकी पुष्टि हमने कर दी है। अनिल हमारे ही क्षेत्र रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के डिठौरा के रहने वाले हैं। घटना की जानकारी परिवार को दे दी गई है। शव लेने के लिए उनके बड़े भाई मुंबई से कश्मीर के लिए रवाना हो गए हैं।

सीएम ने जताया दुख, परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता: सीधी के इंजीनियर की मौत पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी एक्स पर शोक जताया। साथ ही मृतक के परिवार को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

सड़क बनाई नहीं, लागत के 15 लाख निकाल लिए

ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार के खिलाफ ग्रामीणों ने उसी सड़क पर दरी बिछाकर शुरू किया प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के पड़खुरी 588 गांव के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को लेकर ग्राम पंचायत में किए गए भ्रष्टाचार के खिलाफ बीच सड़क पर दरी बिछाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि 15 लाख रुपए की लागत से प्रधानमंत्री स?क से लेकर भोला हाउस तक रोड बनाई जाना थी, लेकिन बनाए बगैर ही इसकी पूरी राशि निकाली जा चुकी है।

ग्रामीण नवनीत मिश्रा गुड्डू ने बताया कि यह गांव रामपुर नैकिन जनपद पंचायत में आता है। मैंने एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ और कलेक्टर से शिकायत की थी, पर किसी ने जांच नहीं कराई। ना ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। इसके बाद हम सभी ग्राम वासियों ने तय किया कि हम उसी सड़क पर दरी बिछाकर चक्का जाम करेंगे। जब तक अधिकारी जांच नहीं कराते, हड़ताल जारी रहेगी।

वहीं मामले में गांव के सरपंच और सचिव से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका मोबाइल फोन बंद आ रहा था।

एसडीएम बोले- मुझे इसकी जानकारी नहीं: वहीं इस बारे में जब एसडीएम शैलेश द्विवेदी से पूछा गया तो उन्होंने अनभिज्ञता जताई। उनका कहना था कि अगर ऐसा कुछ हुआ है तो मैं तत्काल जनपद पंचायत सीईओ को देखने के लिए कहता हूं। ग्रामीणों की जो भी जायज मांगें हैं, उन्हें पूरी करने का प्रयास किया जाएगा।

ई-रिक्शा चालक से लूट करने वाले आरोपी को जेल

सवारी बनकर की थी लूट, एक फरार आरोपी की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। पुलिस ने पिछले महीने ई-रिक्शा चालक से लूट करने वाले आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। 29 सितंबर को ई-रिक्शा चालक सुनील रैकवार से 2 लोगों ने लूट की थी। जिसमें एक आरोपी को जेल भेज दिया है। वहीं, दूसरा आरोपी फरार है।

सुनील रैकवार से 2 लोगों ने रेलवे स्टेशन से सटई रोड छोड़ने की बात की थी। जब वह रात में छोड़ने जा रहा था तभी आरोपियों ने चालक के साथ मारपीट और ई-रिक्शा सहित अन्य सामग्री लूट कर रफू चक्कर हो गए। पीड़ित ने थाने में शिकायत की जिस पर थाना सिविल लाइन ने भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद किया गया। उसके बाद थाना पुलिस आरोपियों की तलाश में जुड़ गई

आरोपी के पास से चोरी की ई-रिक्शा बरामद: पुलिस ने मामले में घटनास्थल सहित अन्य संबंधित स्थान से साक्ष्य जुटाए। साथ ही सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। इस लूट की घटना के एक आरोपी शैलू साहू पिता छन्नू साहू उम्र 24 वर्ष निवासी पीतांबरा मंदिर सटई रोड को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपी शैलू ने अपने साथी के साथ मिलकर ई-रिक्शा चालक के साथ लूट करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूट की ई-रिक्शा जब्त कर ली है। जिसकी कीमत 2 लाख रुपए है। सिविल लाइन थाना प्रभारी बाल्मीक चौबे ने बताया कि इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वहीं, फरार आरोपी की तलाश की जा रही है, उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

युवती के साथ छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

घर में घुसकर घटना को अंजाम देने का किया था प्रयास, जेल भेजा गया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में कोतवाली थाना अंतर्गत सोमवार को 27 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर युवती को लगातार परेशान करने का आरोप था। घटना 17-18 अक्टूबर की रात की बताई जा रही है। जिससे परेशान होकर युवती ने आरोपी के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने कहा- बीते शनिवार को रेलवे विभाग अनूपपुर में पदस्थ 27 वर्षीय युवती ने शिकायत की थी। उसे ड्यूटी से आने जाने के दौरान सुरेंद्र शिवहरे निवासी अनूपपुर अक्सर बुरी नीयत से घूरता रहता है। 17 और 18 अक्टूबर की दरम्यानी रात करीब 3 बजे जब युवती अपने घर में सो रही थी। जिसके बाद उसने अचानक दरवाजा खटखटाने की आवाजें आने पर खिड़की से देखी।

इस पर सुरेंद्र शिवहरे घर का गेट कूदकर पहले मंजिल में आकर दरवाजा खटखटा रहा था। जिससे मैं भयभीत होकर लोगों से मदद की गुहार लगाने लगी। जब तक आसपास के लोग घर पर जुटने लगे। तभी सुरेंद्र शिवहरे मौके पर से भाग गए। घर के दरवाजे पर एक छोटे पर्स में टाफियां और आपत्तिजनक सामान रखकर आरोपी फरार हो गया था। जिसके बाद युवती ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की। पुलिस ने आरोपी सुरेंद्र कुमार शिवहरे पिता गया प्रसाद शिवहरे (42) निवासी खेडिया पेट्रोल पंप सामने अनूपपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश करने पर जेल भेज दिया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद दिवस परेड का आयोजन किया गया

शहीद परिवारों को शाल, श्रीफल देकर किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस स्मृति दिवस पर देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की स्मृति में पुलिस लाईन सीधी स्थित परेड ग्राउंड में शहीद दिवस परेड का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा परेड की सलामी ली गई। तत्पश्चात दिनांक 01 सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 2024 तक देश में विभिन्न प्रदेशों के 214 पुलिस अधिकारीध्कर्मचारी जिसमें मध्यप्रदेश के 23 पुलिसकर्मियों के नाम भी शामिल है, का वाचन किया गया, जिन्होने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश के लिए अपनी जान न्यौछावर कर दी। पुलिस स्मृति परेड द्वारा शहीदों को सलामी दी गई, तत्पश्चात परेड मार्च हुई। शहीद जवानों की स्मृति में विधायक सीधी रीती पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा शाल, श्रीफल देकर शहीद परिवारों को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व अतिथियों द्वारा शहीद जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष जनपद सीधी धर्मेंद्र सिंह परिहार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, जेल अधीक्षक जिला जेल सीधी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव, एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गायत्री तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चुरहट अशुतोष द्विवेदी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कुसमी रोशनी ठाकुर, तहसीलदार गोपद बनास जान्हवी शुक्ला, रक्षित निरीक्षक रक्षित केन्द्र सीधी विरेन्द्र कुमरे एवं अन्य समस्त अधिकारी/कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधुओं ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र एवं फूलों की माला चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 21 अक्टूबर 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग में सीमा की सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफके जवानों के एक छोटे से गश्ती दल पर चीनी सेना द्वारा भारी संख्या में घात लगाकर हमला किया गया था। लेकिन हमारे जवानों ने बहादुरी से चीनी सैनिकों का सामना किया, जिसमें सीआरपीएफ के 10 जवान शहीद हो गए। उन्ही की याद में हर साल पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 287/ई-टेंडर/जोन-02/न.पा.नि./2024 रीवा, दिनांक 21.10.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2024_UAD_377585_1 21.10.2024 (FIRST CALL) 284/ 21.10.2024	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-06 में गौतम ट्रेवल्स से धरना स्थल बांसघाट तक RCC नाली निर्माण का कार्य।	03 माह ₹17.01 लाख	₹2000.00 ₹12758.00	20.11.2024 17:30 बजे तक।
2.	2024_UAD_377586_1 21.10.2024 (FIRST CALL) 285/ 21.10.2024	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-09 में माइनर नहर के किनारे पश्चिम तरफ श्री अनुराग तिवारी के घर से प्रधानमंत्री सड़क तक WBM सड़क निर्माण का कार्य।	02 माह ₹10.47 लाख	₹2000.00 ₹7853.00	20.11.2024 17:30 बजे तक।
3.	2024_UAD_377587_1 21.10.2024 (FIRST CALL) 286/ 21.10.2024	जोन क्रमांक-02 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-18 में स्थित पद्मधर पार्क के विकास का कार्य।	04 माह ₹28.36 लाख	₹5000.00 ₹21270.00	20.11.2024 17:30 बजे तक।

नोट: - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, जोन क्रमांक-02
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

सजा देने का काम पुलिस का नहीं

भारत में या किसी भी सभ्य समाज में मुठभेड़ में या पुलिस और न्यायिक हिरासत में आरोपियों या अपराधियों का भी मारा जाना समूची व्यवस्था के ऊपर धब्बा होता है। यह अपराध न्याय प्रणाली और समाज व्यवस्था पर कलंक है। किसी भी व्यक्ति के ऊपर आरोप चाहे जितने भी गंभीर हों लेकिन उसे सजा देने का काम पुलिस का नहीं है। उसे कानून के हिसाब से अदालत से सजा मिलेगी। पुलिस को न्याय करने का अधिकार नहीं है। और पुलिस की इन मासूम कहानियों का भी कोई अर्थ नहीं होता है कि हथकड़ी में बंद आरोपी ने पुलिस वालों से हथियार छीन लिए या भागने की कोशिश की और इस क्रम में पुलिस के हाथों मारा गया। इस तरह की मनोहर कहानियां समूची न्याय व्यवस्था का मजाक उड़ाने वाली होती हैं। लेकिन हैरानी की बात है कि अदालतें आमतौर पर इन कहानियों पर यकीन कर लेती हैं। यह अच्छा है कि महाराष्ट्र के बदलापुर में अक्षय शिंदे की इनकाउंटर में हुई हत्या की कहानी पर हाई कोर्ट को यकीन नहीं हुआ है। अदालत ने कहा है कि पुलिस की कहानी में इतने झोल हैं कि उस पर यकीन करना मुश्किल है। परंतु जब अदालतें पुलिस की कहानियों पर यकीन नहीं करती हैं तब भी थोड़ी बहुत फटकार या सख्ती के बाद बात आई गई हो जाती है। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए कोई ठोस पहल नहीं होती है। ध्यान रहे भारत में फर्जी मुठभेड़ को अपराध और मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना जाता है लेकिन राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के एक पुराने आंकड़े के मुताबिक 2002 से 2017 के बीच भारत में 1,728 फर्जी इनकाउंटर हुए थे। बहरहाल, असली मुठभेड़ आतंकवादियों के साथ होती है या नक्सलियों के साथ होती है। असली मुठभेड़ दंतेवाड़ा में होती है, जहां बहादुर जवान जान गंवाते हैं। असली मुठभेड़ जम्मू कश्मीर में होती है, जहां इस साल जुलाई में 10 जवान शहीद हुए हैं। असली मुठभेड़ मुंबई पर हुए आतंकी हमले के समय हुई थी, जिसमें मुंबई पुलिस के अनेक डेकोरेटेड और जांबाज अधिकारी शहीद हुए थे। इस राज्य या उस राज्य की पुलिस जो मुठभेड़ करती है, जिसमें किसी पुलिस वाले की बांह में या किसी की जांघ में गोली लगती है वह आमतौर पर फर्जी होती है। अगर राज्यों की पुलिस की एसटीएफ या एटीएस के ये जवान इतने ही जांबाज हैं तो इनको तत्काल बस्तर और दंतेवाड़ा में या कश्मीर और मणिपुर भेजा जाना चाहिए। हकीकत यह है कि राज्यों में बनी ज्यादातर एसटीएफ या एटीएस का काम कानून व्यवस्था पर राज्य की सरकारों के लिए धारणा बनाने या धारणा को नियंत्रित करने का हो गया है। जब कानून व्यवस्था का सवाल उठता है और लोग नाराज होते हैं तो ये लोग कुछ आरोपियों को मुठभेड़ में मार गिराते हैं। इसके लिए उन्हें इनाम इकराम मिलते हैं। समाज में कुछ लोग इनके लिए तालियां बजाते हैं लेकिन उनको नहीं पता होता है कि वे एक भस्मासुर पैदा कर रहे हैं, जिसका शिकार वे खुद भी हो सकते हैं। बहरहाल, अभी देश मुठभेड़ की तीन घटनाओं को लेकर आंदोलित हैं। कहीं कहीं लोग रोमांचित भी हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए यह जागने का समय है

चेतनादित्य आलोक

महिला के कई रूप होते हैं। वह बेटी, बहू, मां, बहन, पत्नी, दादी, नानी आदि रूपों में हमारे इर्द-गिर्द जन्म से मृत्यु तक साए की तरह मौजूद रहती हैं। देखा जाए तो जीवन और समाज के प्रायः प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका किसी-न-किसी रूप में अवश्य पाई जाती है। इसके बावजूद आधुनिक वैश्विक सामाजिक ढांचे और आर्थिक एवं सांस्कृतिक खांचे में महिलाएं लगातार उपेक्षा, उत्पीड़न, शोषण और दमन का शिकार होती आ रही हैं।

घर से लेकर बाहर तक सर्वत्र दमन और शोषण की चक्की में पिसतीं महिलाओं का वास्तविक महत्व समाज को अभी समझना शेष है। यही कारण है कि वैश्विक समाज में महिलाओं के महत्व को प्रतिपादित करने और उन्हें उनका वास्तविक अधिकार दिलाने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 08 मार्च को विश्व भर की महिलाओं के प्रति आभार जताने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 26 अगस्त महिला समानता दिवस, 22 सितंबर को बेटियों के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस एवं 11 अक्तूबर को विश्व भर की बालिकाओं को समर्पित 'विश्व बालिका दिवस' का दुनिया भर में प्रमुखता से आयोजन किया जाता है।

दूसरे शब्दों में कहा जाए तो महिलाओं के विविध रूपों के मानवाधिकारों के प्रति समाज में जागरूकता लाने तथा उनके प्रति लोगों को निजी एवं सामूहिक जिम्मेदारियों का स्मरण कराने के लिए ही विश्व इन तमाम दिवसों के आयोजन किए जाते हैं। हालांकि ऐसे आयोजनों का अब कोई मतलब नहीं रह गया है, क्योंकि ये सब महज रिवाज बन कर रह गए हैं। न तो हमारी बेटियों, बहुओं, माताओं और बहनों के विरूद्ध बलात्कार, सामूहिक बलात्कार और बलात्कार के बाद दरिंदगी करने वाले अपराधियों पर इनका कोई असर होता है और न समाज पर ही इन आयोजनों का कोई सकारात्मक प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई देता है। यहां तक कि कानून, जिसे निर्दोष और मासूम बेटियों, बहुओं और माताओं के लिए रक्षा कवच माना जाता रहा है, की सख्ती और मजबूती भी अब उन्हें अपराधियों से बचाने में असमर्थ साबित होती जा रही है। यदि ऐसा नहीं होता तो क्या दिन-प्रतिदिन महिलाओं के विरूद्ध इस भांति अत्याचार, उपेक्षा, उत्पीड़न, शोषण और दमन की घटनाएं बढ़ती नहीं जातीं। केवल बलात्कार की भी बात करें तो नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार देश में प्रतिदिन कम-से-कम 87 महिलाओं के विरूद्ध बलात्कार के मामले सामने आते हैं।

तात्पर्य यह कि प्रत्येक घंटे हमारा देश तीन से भी अधिक महिलाओं के साथ बलात्कार की निर्मम घटनाओं और दरिंदगी का साक्षी बनता है। दुर्भाग्य से यह आंकड़ा भी अंतिम और संपूर्ण नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह तो सिर्फ उन घटनाओं को ही रेखांकित करता है, जिनकी रिपोर्ट पुलिस थानों में दर्ज की जाती हैं। निश्चित रूप से इनके अलावा भी देश भर में बलात्कार और दरिंदगी के न जाने कितने ही मामले नित्य प्रति घटित होते रहते होंगे, जिनकी कहीं कोई खोज-खबर लेने वाला नहीं होता है। कई बार तो पीड़िताएं स्वयं ही समाज के भय अथवा लोक-लाज के कारण बलात्कार की घटनाओं को छिपा देती हैं। वहीं, कई बार ऐसा करने के लिए उनके ऊपर माता-पिता और परिवार वालों का भारी दबाव होता है। अनेक बार ऐसा भी होता है कि बलात्कारी ही इतने दबंग होते हैं कि अपने वर्चस्व के कारण बलात्कार करने के बाद पीड़िताओं को डरा-धमकाकर रिपोर्ट दर्ज नहीं कराने देते। वहीं, कई बार तो रिपोर्ट दर्ज करने के मामले में पुलिस की भी बेपरवाही और गैर-जिम्मेदारी सामने आती रहती है। इसलिए महिलाओं के विरूद्ध घटित होती रहने वाली बलात्कार की घटनाओं की सही संख्या बता पाना किसी के लिए भी मुश्किल है। संभव है कि यह संख्या सैकड़ों में हो।

देखा जाए तो बलात्कार की घटनाओं को छिपाने के लिए पीड़िताओं के ऊपर माता-पिता और परिवार वाले प्रायः इसलिए दबाव बनाते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता यह होती है कि यदि बेटी के बलात्कार की घटना का प्रचार हो गया तो उसका ब्याह नहीं हो पाएगा। दरअसल, हमारे समाज में आज भी इतनी जागरूकता और संवेदनशीलता नहीं आ पाई है कि 'रील लाइफ' की तरह कोई आगे आकर घोषित तौर पर यह कहने का साहस जुटा सके कि वह किसी बलात्कार पीड़िता को पत्नी के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार है। वैसे संवेदनशीलता की बात करें तो ऐसा प्रतीत होता है कि अब हमारे समाज में इसका कहीं ठौर-ठिकाना बचा ही नहीं है, न तो सार्वजनिक जीवन में और न ही निजी जीवन में... और यही कारण है कि अब पग-पग पर संबंधों की मर्यादाएं टूटने लगी हैं, बल्कि सच कहा जाए तो अब मनुष्य मात्र की मर्यादाएं भी तार-तार हो चुकी हैं। पहले लोग राह चलते किसी अनजान के साथ भी कहीं कुछ गलत होने पर बीच-बचाव कर लेते थे, लेकिन अब तो लोग ऐसी परिस्थिति में मजे लेने और वीडियो बनाने लगते हैं। पिछले ही महीने की बात है। महाकाल की प्राचीन नगरी के एक व्यस्ततम सड़क के किनारे एक महिला के साथ बलात्कार हुआ और लोग तमाशबीन बने रहे.

इसी वर्ष जून में वाइरल 27 सेकंड के एक वीडियों में मुंबई की सड़क पर एक युवती को एक युवक ने पीट-पीटकर मार डाला था और वहां मौजूद भीड़ उस घटना का वीडियो बनाती रही। विडंबना यह है कि गैर जिम्मेदारी और संवेदनहीनता का भयावह उदाहरण पेश करतीं ये घटनाएं न तो पहली बार घटित हुईं और न ही ये आखिरी थीं, लेकिन इनके बारे में देख-पढ़कर ऐसा प्रतीत हुआ कि किसी ने मनुष्य मात्र के शील, संवेदना और मर्यादा का हरण कर लिया है... कि मानवता की तमाम पुरानी कसौटियों की चमक अब फीकी पड़ चुकी है। चिंता होती है यह सोचकर कि सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लाइक्स और शेयर प्राप्त करना आज हमारे लोगों की इतनी बड़ी प्राथमिकता कैसे बन गई। वास्तव में ये घटनाएं 'आई-ओपेनिंग' हैं, जो हमारे समाज और देश के भविष्य को लेकर चिंतित और भयभीत करती हैं। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि सारे फसाद की जड़ यह मोबाइल ही है, क्योंकि देखा जाए तो मोबाइल के आने से पहले कोई इस भांति तमाशबीन होकर वीडियो नहीं बनाता था। बहरहाल, चाहे हमारी जो भी कमजोरी या लाचारी हो, परंतु हमें इस बात पर अवश्य विचार करना चाहिए कि आज तो इस विपत्ति की घड़ी में हम तटस्थ होकर तमाशबीन बने हुए हैं... वीडियो बना रहे हैं, लेकिन तब क्या करेंगे, जब इसी प्रकार कोई दरिंदा हमारे आंगन अथवा ड्योढ़ि तक आ धमकेगा? जाहिर है कि तब हम भी अकेले होंगे। हमारा भी कोई साथ देने नहीं आएगा। इसलिए यह जागने का समय है। हमें बिना देर किए जागना होगा।

क्या फिलिस्तीन शत्रु-राष्ट्र है?

संजय पराते

छत्तीसगढ़ एक बार फिर गलत कारण से चर्चा में है। छत्तीसगढ़ की पुलिस और प्रशासन के रवैए से और भाजपा सरकार की चुप्पी से यह प्रश्न खड़ा होता है कि हमारे देश और यहां के नागरिकों के लिए क्या फिलिस्तीन शत्रु-राष्ट्र है?

इससे पहले जून में छत्तीसगढ़ तब चर्चा में आया था, जब भाजपा सरकार के आने के तीन दिन बाद ही उत्तरप्रदेश से आए तीन पशु व्यापारियों और परिवहन कर्मियों की आरएसएस और भाजपा से जुड़े गौ-गुंडों ने हत्या कर दी थी। यह मॉब-लिंचिंग का नहीं, बल्कि हत्या का सुनियोजित मामला था। यह ऐसा मौका था, जब भाजपा सरकार अल्पसंख्यकों को यह भरोसा दे सकती थी कि उसके राज में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार नहीं होगा और जाति-धर्म से परे सभी नागरिकों से समान व्यवहार होगा और कानूनी प्रक्रिया से यह सुनिश्चित किया जाएगा। लेकिन इसके विपरित, सरकार द्वारा गठित एक एसआइटी के जरिए सभी मृतकों द्वारा आत्महत्या किए जाने का फर्जी निष्कर्ष निकालकर वास्तविक हत्यारों को बरी कर दिया गया।

विकसित भारत की ओर बढ़ते देश के कदम

बृजनन्दन राजू

विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ा रहा है। देश को आत्मनिर्भर बनाने, विकास की गति को तेज करने के लिए उठाये गये सकारात्मक परिणामों का असर कई क्षेत्रों में दिखने लगा है। भारत ने जहां 200 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल कर ली है। 2014 में भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता केवल 75 गीगावाट थी 6 जी तकनीक के पेटेंट में हम विश्व के छह शीर्ष देशों में शामिल हैं। भारत से प्रभावित होकर 11 देशों ने भारत के दवा कानून अपनाए हैं। इसी प्रकार कई अन्य क्षेत्रों में भी अच्छे संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। देश की जनता ने यह साबित कर दिया है कि अगर सामूहिक प्रयास किया जाय तो कुछ भी असंभव नहीं है। आज भारत की तेज विकास की गति दुनिया के लिए आश्चर्य का विषय है। प्रत्येक देशवासी यह चाहता है कि अपना देश वैभव सम्पन्न हो। विश्व में अग्रणी हो। भारत विकसित बने। जगद्गुरू का स्थान भारत को फिर से प्राप्त हो। हम आकांक्षा तो रखते हैं लेकिन वर्तमान में वस्तुस्थिति कैसी है इसपर बहुत कुछ निर्भर करता है। 2014 से पहले राष्ट्र का ओज क्षीण हो रहा था। जनता आतंकी हमलों से त्रस्त थी। देश भ्रष्टाचार के दलदल में धंसता जा रहा था। मनमोहन सरकार में घोटालों का अंबार लग गया था। देश में निराशा का माहौल था। युवा मन दुर्बल हो गया था। ऐसे समय में देश की बागडोर नरेन्द्र मोदी ने संभाली। मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद देश से निराशा के वातावरण को दूर करने का काम किया। नरेन्द्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद विकसित भारत की आधारशिला रखी। 2014 में विकसित भारत की बात किसी को हजम होने वाली नहीं थी लेकिन मोदी ने उसके लिए आधारभूमि तैयार की। देशवासियों को मिशन के साथ एक विजन दिया और नवाचार के लिए प्रेरित किया। भारत के अंदर क्षमताओं की कमी नहीं थी। कमी केवल आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की थी। मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों से सीधे जुड़े। युवाओं को स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित किया। आज प्रत्येक देशवासी के मन में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की लालसा जगी है। हमारे देश के प्रत्येक नागरिक का आत्मविश्वास बढ़ा है। जो जिस स्थिति में है उससे आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकास भी विरासत के नारे के साथ सांस्कृतिक पुनर्जागरण का कार्य तेजी से हो रहा है। अपने प्रभावी नेतृत्व से भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को देश की एकता के साथ जोड़ने का काम किया है। आज भारत जाग्रत अवस्था में है। मोदी के नेतृत्व में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। आईटी एवं नवाचारों के क्षेत्र में भारत वैश्विक शक्ति बन रहा है। भारत अपने लैंडर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने वाला विश्व का पहला देश बन गया है। कृषि क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन लाने का काम मोदी सरकार ने किया है। 2014 से पहले कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप की संख्या शून्य थी जब अब 4000 से अधिक हो गयी है। जिसके कारण देश के किसानों की आय और खुशहाली दोनों बढ़ रही है।सरकार के विकसित भारत ञ2047 विजन का लक्ष्य भारत को 2047 तक 3.4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर तक जीडीपी के साथ विकसित अर्थव्यवस्था में बदलना है। इस लक्ष्य में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सुशासन और पर्यावरणीय स्थिरता शामिल है। 2047 के लिए देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों में

90ब ग्रीन ग्रिड क्षमता हासिल करना, 2035 तक बेचे जाने वाले सभी वाहनों को इलेक्ट्रिक बनाना और भारी औद्योगिक उत्पादन को ग्रीन हाइड्रोजन और विद्युतीकरण की ओर ले जाना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए जरूरी है कि आज अपना देश जिस स्थित में है उसे उन्नत अवस्था में पहुंचाना है। आज दुनिया के जो विकसित राष्ट्र हैं। क्या हमें भारत को उस तरह का विकसित देश बनाना है। क्या इनमें से कोई एक ऐसा राष्ट्र अपने अनुकरण के लायक नहीं है। इस समय हर प्रकार से उन्नत देश अमेरिका को माना जाता है लेकिन क्या अमेरिकावासी सुखी हैं नहीं। तकनीकी दृष्टि से उन्नत हो रहे हैं लेकिन अन्य समस्याएं विकराल हैं। इसलिए हमें भारत को भारत ही बनाना है अमेरिका नहीं। भारत विकसित बने लेकिन भारत के विचारों और भारत की मेधा शक्ति के आधार पर। आज वैश्विक संकटों से समाधान की खोज में दुनिया भारत की ओर देख रही है। कहीं ऐसा न हो कि हम भारत को इंग्लैंड और अमेरिका न बनाने लग जायें। इसलिए विकसित भारत के लिए भारतीय अवधारणा चाहिए। आजादी के बात से हमारे राजनेताओं से यही भूल हुई थी। पश्चिम से प्रभावित होकर हम अपने दर्शन व ज्ञान की उपेक्षा करने लगे थे। स्वच्छता मिशन के रूप में एक जन आन्दोलन का सूत्रपात किया। जन धन की योजना से सबको जोड़ा। देश में डिजिटल क्रान्ति की शुरूआत की। स्टार्टअप के तहत देश में स्वरोजगार के अवसर खुले। मुद्रा योजना के तहत लोगों को लोन दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों लोगों का स्वयं का घर होने का सपना पूरा हुआ है। वर्ष 2016 में उरी में आतंकी हमला हुआ। देश गुस्से में था। सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक कर पापी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया। जीएसटी को लागू करके एक बड़ा व्यापारिक सुधार किया। 2014 के बाद भारत का सांस्कृतिक अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त हुआ। 500 वर्षों की लंबी प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, हैदराबाद में स्टैचू आफ इक्वालिटी, काशी विश्वनाथ कारिडोर, मथुरा वृन्दावन कारिडोर, केदारनाथ धाम व चार धाम परियोजना के कार्य से सनातन संस्कृति का पुनरोदय का आभास हो रहा है। मोदी के कार्यकाल में सांस्कृतिक पुनरूत्थान का कार्य सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में देखने को मिला। अरब देश, रेत का सागर, इस्लामी कायदे कानून का पालन करने वाले देश अबू धाबी में 27 एकड़ भूमि में जब मोदी हिन्दू मंदिर का उद्घाटन कर रहे थे यह मन को विश्वास ही नहीं हो रहा था। यह भारतवर्ष के नवीन सामार्थ्य और आत्मविश्वास का प्रकटीकरण था।

फाइनल में पहुंची बिलासपुर अंडर-19 टीम

अनुज और ऋषभ की शानदार बल्लेबाजी, इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट के सेमीफाइनल में राजनांदगांव को दी शिकस्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 19 बिलासपुर की टीम ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजनांदगांव की टीम को 74 रनों से हरा दिया। इसके साथ ही टीम ने फाइनल मुकाबले में अपनी जगह बना ली है। मैच में बिलासपुर टीम के अनुज चंद्रा व ऋषभ शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी की।

बिलासपुर क्रिकेट संघ के सचिव विंटेश अग्रवाल ने बताया कि रविवार को सेमिफाइनल मैच धमतरी के मैदान में खेला गया। जिसमें बिलासपुर और राजनांदगांव के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें बिलासपुर के कप्तान आदित्य श्रीवास्तव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अनुज चंद्रा और रिशभ शर्मा के शानदार 143 रनों की साझेदारी के बदौलत बिलासपुर ने निर्धारीत 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 292 रन बनाएं।

टीम की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए सबसे अधिक अनुज चंद्रा ने 94 गेंदों में 9 चौकों के मदद से 85 रन बनाएं , रिशभ शर्मा ने 64 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्को की मदद से 64 रन बनाएं, कप्तान आदित्य श्रीवास्तव ने 47 रन आर्यन जायसवाल ने नाबाद 25 रन बनाएं।

7 विकेट खोकर 217 रन बना पाई राजनांदगांव की टीम: राजनांदगांव की ओर से गेंदबाजी करते हुए युक्तिग्य, तीर्थ, कृष्णम और संयम ने दो-दो विकेट लिए। जिसके बाद राजनांदगांव ने 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 217 रन ही बना पाई। टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए कप्तान बी बालाजी राव ने 77 रन बनाएं। इसके आलावा उपेंद्र मरकाम ने नाबाद 29 रन और श्लोक चचाने ने 23 रनों का योगदान दिया।

उत्कृष्ट तिवारी ने हासिल किए चार विकेट: बिलासपुर की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए उत्कृष्ट तिवारी ने 10 ओवर में 29 रन देकर 4 विकेट प्राप्त किए। वहीं अयान उपाध्याय, मोहम्मद साद और क़ासिम मोहम्मद ने एक-एक विकेट लिए। इस तरह बिलासपुर ने राजनांदगांव को 74 रनों से हराकर फाइनल में जगह बना ली है।

फाइनल मैच: बिलासपुर अपना फाइनल मैच 22 अक्टूबर को राजनांदगांव के मैदान में रायपुर के मध्य खेलने उतरेगी। सेमिफाइनल मैच के निर्णायक शैलेश उपाध्याय और मनोज सिंह स्कोरर महेंद्र साहू ऑब्जर्वर शेख अनवर रहे। वहीं, बिलासपुर के कोच सुशांत शुक्ला और एस जावेद हैं। टीम के फाइनल में पहुंचने पर छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के सचिव मुकुल तिवारी क्रिकेट संघ बिलासपुर के अध्यक्ष नवीन जाजोदिया, सचिव विंटेश अग्रवाल, अनुराग बाजपाई , देवेंद्र सिंह, सुशांत राय, आलोक श्रीवास्तव, महेंद्र गंगोत्री, रितेश शुक्ला, आशीष शुक्ला, ओपी यादव, दिलीप सिंह, राजेश शुक्ला, कमल घोष ,टी साई कुमार, राजुल जाजोदिया, डॉ अशोक मेहता, डॉ वैभव ओटत्तलवार सहित सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवार्ड 2024-25 में दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल मनेंद्रगढ़ को मिला पहला स्थान

मीडिया ऑडीटर, महेंद्रगढ़ निप्र। दिल्ली 'गुरुग्राम' स्थित लीला एंबिशियस होटल में ' एजुकेशन वर्ल्ड' नामक विश्व प्रसिद्ध संस्था जो की संपूर्ण विश्व में शिक्षा के क्षेत्र में दूरदर्शी विकास लाने वाले संस्था को सम्मानित करने हेतु प्रसिद्ध है, द्वारा मनेंद्रगढ़ शहर के प्रतिष्ठित विद्यालय ' दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल' को वर्ष 2024- 25 में एमसीबी जिले के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय होने के सम्मान से सम्मानित किया गया। एजुकेशन वर्ल्ड के द्वारा देश में स्कूल के बच्चों एवं अभिवाकों के लिये शिक्षा से संबंधित मैगज़ीन का भी प्रकाशन किया जाता है।

' एजुकेशन वर्ल्ड'' छात्रों और अभिभावकों की जरूरत और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित करती है और प्रसिद्ध शिक्षाविदों की उपस्थिति में अनुसंधान और विश्लेषण संचालित कराती है,यह संस्था एक ऐसे निर्णायक प्रणाली का निर्माण करती है जिसमें छात्रों के विकास के सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है इसमें शैक्षणिक और सह - शैक्षणिक दोनों छात्र क्षमताओं का आकलन किया जाता है जैसे- शैक्षणिक प्रदर्शन, शिक्षक गुणवत्ता,छात्रों की सहभागिता, विद्यालय का बुनियादी ढांचा एवं समग्र छात्र विकास।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल परिवार की तरफ से अवार्ड को ग्रहण करते समय विद्यालय के निदेशक एवं पूर्व न्यायाधीश श्री वेंकटेश सिंह द्वारा कहा गया किया अवार्ड ' दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल' के समर्पित स्टाफ, सम्मानीय समर्थक माता-पिता और असाधारण कौशल के धनी छात्रों के सामूहिक प्रयास से विद्यालय को प्राप्त हुआ है जिसके लिए विद्यालय परिवार समस्त आदरणीय अभिभावकों एवं समर्पित छात्रों का हृदयतल से आभारी है एवम् भविष्य में भी इसी प्रकार विश्वास बनाए रखने के निवेदन के साथ शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

जंगल में पंडो जनजाति युवक की अधजली लाश मिली

4 दिनों से लापता था, करंट की चपेट में आने से मौत की आशंका

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में 4 दिन से लापता पंडो जनजाति के युवक का शव जंगल में मिला है। घटनास्थल से दूर जीआई तार मिला है, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि हाई वोल्टेज करंट के चपेट में आने से मौत हुई है। जंगली जानवर के शिकार के लिए जंगल में करंट बिछाया गया था। युवक की अधजली लाश मिलने की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी हुई है।

दोस्त ने कही थी मारपीट की बात: जानकारी के मुताबिक युवक के दोस्त देवलाल पंडो ने 18 अक्टूबर को वाड्रफनगर पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि मृतक विक्रम पंडो (38) से कोटराही में चाची के घर से 16 अक्टूबर को रात को लौटते समय चार बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने मारपीट की थी।

कोटराही के जंगल में मिला शव: देवलाल ने बताया कि मारपीट से डर से विक्रम के जंगल की ओर भाग गया और वह जान बचाकर किसी तरह घर पहुंचा। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की विवेचना में जुटी हुई थी।पुलिस को कोटराही के जंगल में उसी युवक की अधजली लाश मिली।

पिकनिक मनाने गया युवक डैम में डूबा

बैराज में नहाते समय हुआ हादसा, अब तक नहीं चला सुराग, तलाश में जुटी एसडीएफ

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया युवक नहाते समय डैम में डूब गया। उसके दोस्तों ने उसकी तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम की मदद ली गई। युवक का अब तक पता नहीं चल सका है। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। सिटी कोतवाली क्षेत्र के जूना बिलासपुर निवासी अंजेश राव गवली (22) पिता गणेश राव गवली पुराना बस स्टैंड स्थित मेडिकल स्टोर में काम करता है। रविवार की सुबह वह अपने दोस्तों के साथ रतनपुर क्षेत्र में पिकनिक मनाने गया था।

घूमते-घूमते अंजेश और उसके दोस्त कलमीटार स्थित अरपा नदी के बैराज तरफ चले गए, जहां उसके दोस्त डैम में छलांग लगाकर नहाने लगे।

डैम में कूदा फिर बाहर नहीं आया: बताया जा रहा है कि वह दोस्तों को छलांग लगाते देखकर डैम में उतर गया, जिसके बाद अंजेश भी बैराज में छलांग लगा दिया, लेकिन वह पानी से बाहर नहीं आ सका और गहराई में समा गया। इस दौरान उसके दोस्तों ने उसे ढूंढने की कोशिश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

पुलिस के साथ ही पहुंचे परिजन, एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया: उसके दोस्तों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस बीच उसके परिजन भी वहां पहुंच गए। देर शाम तक आसपास के लोगों की मदद से उसकी तलाश की जाती रही। लेकिन, वो नहीं मिला।

सोमवार की सुबह से स्थानीय गोताखोर की टीम भी कलमीटार बैराज पहुंच गई, जहां जंगेश की तलाश की जाती रही। माना जा रहा है कि उसे तैरना नहीं आता था। इसलिए वो गहरे पानी में डूब गया।

सेंध मार कर चोरी की घटना को दिया गया अंजाम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिले के खड़गवां थाना अंतर्गत चोरी के आरोपी को खड़गवां पुलिस ने पकड़ ने में सफलता हासिल की है, घटना के सम्बंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बरेलीपारा आमाडाण्ड निवासी रवि सिंह टेकाम उम्र 27 वर्ष ने थाना खड़गवां में रिपोर्ट दर्ज कराई की दिनांक 20 अक्टूबर को सायं 7:00 बजे अपने नए मकान से अपने पुराने घर रात्रि का भोजन करने गया था, खाना के पश्चात रात्रि करीब 9:00 बजे अपने नए घर गया तब जाकर प्रार्थी ने देखा कि किसी अज्ञात चोरों के द्वारा घर के पीछे का दरवाजा के पास सेंध मारकर घर में रखे 01 नाग कांस का बर्तन सहित कपड़ा एवं नगद करीब 18 हजार रुपये चोरी कर लिया गया।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर संदेही के आधार पर आरोपी के विरूद्ध अपराध धारा कायम किया गया। मामले में एमसीबी जिला के पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बांडेगाँवकर एवं नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी दीपिका मिंज के दिशा निर्देश पर थाना प्रभारी आर. एन. पटेल द्वारा त्वरित टीम गठित करके निवेचना पर संदेही के आधार पर कदरेवा निवासी पंडो को हिरासत में लिया गया, जहां उसने जुर्म काबुल किया। जहां आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

ट्रक ने बाइक को रौंदा, भाई-बहन और भांजी की मौत

मां बोली- एक ही बेटा था, कुचलकर मार डाला, परिवार उजाड़ दिया

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में सड़क हादसे में भाई-बहन और भांजी की मौत हो गई। सीमेंट से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक से लौट रहे परिवार को चपेट में ले लिया। सीएम मेडिकल कॉलेज रोड पर मांडले ढाबा के पास हुए हादसे में 2 साल की पूजा गंभीर रूप से घायल है, जिसे पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसे के बाद रोती-बिलखती मां ने कहा कि मेरा एक ही बेटा था, उसे कुचलकर मार डाला। पूरे परिवार को उजाड़ दिया। अब वह किसे अपना बेटा कहकर बुलाएगी। हादसे के बाद बड़ी संख्या में आक्रोशित लोगों ने सड़क पर चक्काजाम कर दिया, पुलिस और प्रशासन की समझाइश के बाद लोग शांत हुए और ट्रक के नीचे से शव को बाहर निकाला गया। आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इन्होंने गंवाई जान- राजेश साहू (32), ऋतु साहू (28), जया (12) राजेश साहू मजदूरी करता था वो अपने पीछे पत्नी प्रियंका साहू, दो बच्चे और बुजुर्ग मां को छोड़ गया। उसकी बहन ऋतु साहू का पव्वारा में ससुराल है, उसके पति राकेश साहू पेंटर हैं।

ड्राइवर की लापरवाही ने बेटे को मार डाला: मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की। इस दौरान परिजन ने कहा कि सड़क पर भारी वाहनों को चलाया जाता है। तेज रफ्तार में गाड़ियां दौड़ती हैं, जिससे आए दिन हादसा होते हैं। ड्राइवर की लापरवाही ने हमारे बेटे को मार डाला।

मां बोली- एक ही बेटा था, किसे बेटा कहेंगी: रोते बिलखते मां ने कहा कि एक ही बेटा था, जिसे ड्राइवर ने ट्रक चढ़ाकर मार डाला। अब उनका ख्याल कौन रखेगा। एक ही बेटी थी। किसे बेटी कहूंगी। इस तरह कहकर मां खूब रही है। आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं।

मेरे पूरे परिवार को उजाड़ डाला: वहीं परिजनों ने कहा कि मंदिर से पूजा कर वापस उतर रहे थे। वह साइड में थे, लेकिन ट्रक चालक ने उन्हें रौंद डाला। गाड़ी वाले ने मेरे पूरे परिवार को उजाड़ डाला। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में सड़क जाम कर बैठे रहे।

रामेश्वरम महादेव मंदिर के पास हादसे का शिकार: बताया जा रहा है कि सभी कचान्दूर में गृह प्रवेश से लौट रहे थे, तभी रामेश्वरम महादेव मंदिर के पास आज सुबह 6: 30 से 7 के बीच हादसे का शिकार हो गए। राजेश साहू अपनी बहन ऋतु और उसकी दो बेटियों को लेकर बाइक से लौट रहा था। सभी ढौर अपने रिश्तेदार के यहां छठी और गृह प्रवेश में शामिल होने गए थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें चपेट में ले लिया।

शिवनाथ नदी में कूदकर युवक ने की खुदकुशी

सुसाइड नोट में लिखा- हल्दीराम और एसएस फूड के साहब के कारण मर रहा हूं

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले में शिवनाथ नदी में कूदकर एक शख्स ने खुदकुशी कर ली। सोमवार सुबह उसके शव को एसडीआरएफ की टीम ने नदी से बाहर निकाला। युवक की पहचान 48 साल के रविराज रंधावा (48 साल) निवासी दीपक नगर दुर्ग के रूप में हुई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के पीपरछेड़ी का है।

जिस ब्रिज से छलांग लगाकर रविवाज ने खुदकुशी की वहां उसकी कार मिली और सड़क पर एक सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि हल्दीराम और स्स्फूड प्राइवेट लिमिटेड के साहब परेशान कर रहे थे। उनकी वजह से मैं मर रहा हूं।

शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा: एसडीआरएफ प्रभारी नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि उन्हें रविवार रात 11-12 बजे के बीच सूचना मिली थी कि पीपरछेड़ी ब्रिज के ऊपर एक लावारिश कार खड़ी है। अंधेरा हो जाने के चलते एसडीआरएफ ने अपनी टीम को सोमवार सुबह भेजा।

एसडीआरएफ की टीम वहां पहुंची तो देखा कि कार ब्रिज में खड़ी है। उन्होंने देखा की नदी के पानी में किसी का शव दिखाई दे रहा है। इसके बाद टीम ने नदी से शव को बाहर निकाला। इसी दौरान टीम को एनएचआई के अधिकारियों ने सड़क पर पड़ा सुसाइड नोट दिया।

घर के सामने हंसी-मजाक करने पर चला चाकू

पिता का मुक्का से दांत टूटा, बेटा लहूलुहान हुआ, दोनों पक्षों ने दर्ज करवाई शिकायत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर के मोमिनपारा इलाके में देर रात दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई है। घर के सामने चौक में बैठकर हंसी मजाक करने की बात पर एक पक्ष में दूसरे को टोका तो दूसरे पक्ष में उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान पहले पक्ष के लोग भी भिड़ गए। चाकूबाजी की सूचना मिलते ही आजाद चौक सीएसपी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। फिलहाल इस मामले में दोनों पक्षों ने शिकायत दर्ज करवाई है।

पहली शिकायत तुषार पंडित की ओर से की गई है। उसने पुलिस को बताया कि वह रविवार रात साढ़े 10 बजे के करीब एचएमटी चौक स्थित अपने घर पहुंचा। जहां पर फरहान रजा, सल्लू उर्फ सलमान, अदनान रजा और मोहम्मद हुसैन बैठे हुए थे। तुषार ने घर के सामने चौक पर बैठने से मना किया तो उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। तभी बात बिगड़ गई। तभी सल्लू और फरहान ने अपने पास रखें चाकू से तुषार की जांघ पर वार कर दिया।

पिता का मुक्का मारकर तोड़ा दांत: इस मारपीट की आवाज सुनकर तुषार के पिता सुनील पंडित बीचबचाव करने पहुंचे। तो वहां पर मौजूद मोहम्मद हुसैन ने उनके मुंह पर मुक्का मारकर दांत तोड़ दिया। इस मारपीट के बाद परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। सूचना है कि पुलिस ने इस मामले में कुछ आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

दूसरे पक्ष ने कहा-हम पर हमला हुआ: इस मामले में फरहान रजा ने भी पुलिस में शिकायत दी है। जिसमें उन्होंने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। तभी सुनील पंडित ने जोर-जोर से बात कर रहे हो बोलकर गाली गलौच किया। जब उन्होंने मना किया तो उसने फरहान के माथे पर किसी वस्तु से हमला किया जिससे खून निकलने लगा। इस मामले में पुलिस अब आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

पुलिस सुधारर : विष्णु देव साय का दूरदर्शी नेतृत्व और क्रांतिकारी पहल

पुलिस स्मृति दिवसर : कर्तव्य, साहस और बलिदान की अनमोल विरासत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। हर साल 21 अक्टूबर को देशभर में पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन वीर पुलिसकर्मियों की याद में समर्पित है जिन्होंने देश की सुरक्षा और नागरिकों की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। यह अवसर हमें उनके कर्तव्य, अनुशासन और साहस से प्रेरित होकर अपने कर्तव्यों को निष्ठा से निभाने की प्रेरणा देता है। इस दिवस की शुरुआत 1959 में लद्दाख के हॉटस्प्रिंग क्षेत्र में चीन के साथ हुए संघर्ष से हुई, जिसमें 10 भारतीय पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की बलि दी थी। यह घटना भारतीय पुलिस बल के साहस और बलिदान का प्रतीक बन गई और तब से हर साल इस दिन उन सभी पुलिसकर्मियों को याद किया जाता है जो कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए।

इस मौके पर देशभर के पुलिस मुख्यालयों, अकादमियों और स्थानीय थानों में कार्यक्र म आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में शहीद

पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी जाती है और उनकी साहसिक कहानियाँ सुनाई जाती हैं। इससे नई पीढ़ी को उनके योगदान से प्रेरणा मिलती है।

पुलिस स्मृति दिवस केवल शहीदों को सम्मानित करने का दिन नहीं है, बल्कि यह समाज को याद दिलाने का अवसर भी है कि पुलिस बल की भूमिका सिर्फ कानून व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है। वे आंतरिक सुरक्षा के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, आतंकवाद और अन्य खतरों का सामना करते हैं। उनके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता बनाए रखना समाज की जिम्मेदारी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि पुलिसकर्मी समाज की स्थिरता, न्याय और कानून के पालन के सच्चे प्रहरी हैं। उनके बलिदान को कभी न भुलाया जाए, इसके लिए हमें उनके योगदान को समझना और उन्हें उचित सम्मान देना चाहिए। इस दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके कल्याण के लिए कदम उठाएँ

और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ में पुलिस सुधाररू विष्णु देव साय का योगदान: छत्तीसगढ़, जो कभी नक्सलवाद और अपराध से ग्रस्त था, आज शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ रहा है। इसका बड़ा श्रेय राज्य के नेतृत्व को जाता है, विशेष रूप से विष्णु देव साय को जिन्होंने पुलिस सुधार और पुलिसकर्मियों के हितों के लिए अनेक प्रभावशाली कदम उठाए हैं। विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए आवासीय सुविधाओं की शुरुआत की गई, जिससे उन्हें मानसिक तनाव से मुक्ति मिले और वे बेहतर तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य और बीमा योजनाएं लागू की गई, जिससे उन्हें बेहतर चिकित्सा सेवाएँ और वित्तीय सुरक्षा मिल सके। इसके अलावा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शहीद हुए पुलिसकर्मियों के परिवारों को आर्थिक सहायता और उनके बच्चों की शिक्षा व रोजगार के लिए विशेष योजनाएं बनाई गई है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसग? पुलिस को आधुनिक तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित किया गया। इससे पुलिसबल की कार्यक्षमता में भारी सुधार हुआ है और नक्सलवाद जैसी बड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद मिली है।

विष्णु देव साय ने न केवल भौतिक संसाधनों में सुधार किया, बल्कि पुलिसकर्मियों का मनोबल ब?ाने के लिए भी कदम उठाए। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि पुलिसकर्मी अपने कार्यस्थल पर सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। उनके दूरदर्शी प्रयासों ने छत्तीसग? की पुलिस व्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है और यह राज्य की सुरक्षा और विकास में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है।

जब नाले से बहने लगे 500 के नोट

सांगली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सांगली जिले के आटपाडी में एक अजीबोगरीब घटना हुई है। यहां अंबाबाई नाले में 500-500 रुपये के नोट बहते हुए मिले। इस खबर के फैलते ही लोग नोट बटोरने के लिए नाले में कूद पड़े। अनुमान है कि लोगों ने करीब 2 से 2.5 लाख रुपये एकत्र किए हैं। शनिवार को आटपाडी में साप्ताहिक बाजार लगा हुआ था। इसी दौरान कुछ लोगों ने नाले में 500 रुपये के नोट बहते हुए देखे। यह खबर आग की तरह फैल गई और लोग नोट बटोरने के लिए नाले की ओर दौड़ पड़े। सूचना मिलते ही आटपाडी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को नाले से बाहर निकाला और बाकी बचे हुए नोटों को जब्त कर लिया। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि ये नोट कहां से आए और नाले में कैसे पहुंचे। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के पीछे कई सवाल उठ रहे हैं। जैसे कि, ये नोट कहां से आए? इन्हें नाले में किसने और क्यों डाला? क्या यह कोई जानबूझकर किया गया कृत्य है? पुलिस इन सभी सवालों के जवाब ढूंढने की कोशिश कर रही है। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। लोग इस अजीबोगरीब घटना के बारे में तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोग मानते हैं कि यह कोई चमत्कार है, तो कुछ लोग इसे किसी साजिश से जोड़कर देख रहे हैं।

चीफ जस्टिस को अपशब्द बोल गए रामगोपाल यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने हाल ही में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के संदर्भ में एक विवादास्पद टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलचल मच गई है। यादव ने अपने बयान में कहा, हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है। जब भूतों को जिंदा करते हो तो वह भूत बन जाते हैं और जस्टिस के पीछे पड़ जाते हैं। यह टिप्पणी उस समय आई जब चंद्रचूड़ ने राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद पर अपनी प्रार्थना का जिक्र किया था। इस विवाद के बाद, रामगोपाल यादव ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने चीफ जस्टिस के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की और उन्हें एक एक्सिलेंट आदमी बताया। यादव ने तर्क किया कि अगर उनके बयान को विवादित माना जा रहा है, तो यह समझ से परे है। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने अपने पैतृक गांव में राम मंदिर विवाद पर अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा था, मैंने ईश्वर से प्रार्थना की थी कि कोई रास्ता निकालें। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या विवाद पर उनके समक्ष कोई समाधान नहीं था, और अंततः उन्होंने अपने आराध्य से मार्गदर्शन की प्रार्थना की। इस बीच, जब इस मामले पर अखिलेश यादव से टिप्पणी मांगी गई, तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस विवाद की जानकारी नहीं है, लेकिन वे चीफ जस्टिस का सम्मान करते हैं। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर न्यायपालिका और राजनीतिक क्षेत्र के बीच की जटिलताओं को उजागर किया है। साथ ही यह दर्शाया है कि संवैधानिक प्रावधानों और आस्था के बीच संतुलन बनाए रखना कितना महत्वपूर्ण है।

हमारे सपने और संकल्प के पूरा होने तक न हमें चैन है और न ही आराम के लिए जगह है : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 10 साल में बहुत सारे काम किए हैं, लेकिन यह आराम का वक्त नहीं है। देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है। पीएम मोदी ने कहा, अक्सर लोग मुझे कहते हैं कि पिछले 10 साल में इतने काम हुए हैं।

आपने तीन बार अपनी सरकार बना ली है। अब भी आप इतनी मेहनत क्यों करते हैं, इतनी दौड़ धूप क्यों करते हैं? पीएम मोदी ने कहा कि उनको ऐसा कहने वाले लोग बहुत मिले हैं। उनको कहना है कि अब मेहनत की क्या जरूरत है। लेकिन जो सपने हमने देखे हैं और जो संकल्प हम लेकर चले हैं, उसमें न चैन के लिए कोई जगह है न ही आराम के लिए। पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए आगे कहा, पिछले 10 साल में 12 करोड़ शौचालय बनाए गए हैं। पिछले 10 साल में 16 करोड़ गैस कनेक्शन मिले हैं। इसी अवधि में 350 मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, जिसमें 15 से ज्यादा एम्स हैं। पिछले 10 सालों में डेढ़ लाख से ज्यादा स्टार्टअप हुए हैं, जिसमें आठ करोड़ युवाओं ने मुद्रा लोन लेकर पहली बार अपना काम शुरू किया है।पीएम मोदी ने कहा कि लोग पूछते हैं क्या इतना करना काफी नहीं है? पीएम मोदी ने आगे जवाब दिया, नहींज्इतनी करना काफी नहीं है।

केरल की वायनाड सीट से बेटी प्रियंका के लिए प्रचार करेंगी सोनिया गांधी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी अपनी बेटी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी के लिए केरल के वायनाड में प्रचार करेंगी, जो अपना पहला चुनावी मुकाबला लड़ रही हैं। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव में वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी चुने गए थे। बाद में उन्होंने वायनाड से इस्तीफा दे दिया। इसके चलते यहां से उपचुनाव जरूरी हो गया है। वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को मतदान होगा। इसके साथ ही पलक्कड़ और चेलाक्कारा विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा। 23 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। राज्य कांग्रेस नेताओं के अनुसार, सोनिया गांधी कई सालों के बाद केरल लौट रही हैं और मंगलवार को होने वाले रोड शो में उनके साथ राहुल

गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल होंगी। राहुल गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की एनी राजा पर 3,64,422 वोटों के अंतर से वायनाड लोकसभा सीट बरकरार रखी थी।

जोधपुर में पुलिस शहीद पर दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर में सोमवार को पुलिस शहीद दिवस मनाया गया। इस दौरान रक्तदान शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जोधपुर के रातानाडा स्थित पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पुलिस जवानों ने शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह ने कहा कि हम शहीद दिवस पर शहीदों को याद करने के साथ-साथ उनकी वीरांगनाओं को भी याद करते हैं।कार्यक्रम में शहीद ताराचंद सहारण पर पुष्प चक्र चढ़ाए गए। इसके अलावा पुलिस लाइन स्थित डिस्पेंसरी में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जो सोमवार को पूरे दिन चलेगा। इसमें पुलिस बल के जवानों द्वारा रक्तदान किया जा रहा है। पुलिस के आला अधिकारियों ने पुलिस लाइन स्थित परिसर में पौधारोपण किया। बता दें कि इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

देश भर में सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित : अमित शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के राष्ट्रीय पुलिस मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही देश की सुदूर तक फैली सीमाओं की सुरक्षा करने के लिए सभी बलों का आभार भी जताया।

उन्होंने कहा, पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई देता हूं। आज देश के विभिन्न इलाकों और जगहों पर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले अलग-अलग बल के जवानों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं। मेरे लिए यह सौभाग्य की बात है कि यहां आकर अमर जवानों को श्रद्धांजलि देने का मुझे मौका मिला। यही हमारे जवान हैं कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और कच्छ से लेकर किबिथू तक फैली हमारी सीमाओं को सुरक्षित रखते हैं।

केंद्रीय पुलिस बलों के लिए किए गए कामों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, हमने 113 बैरकों को मंजूरी दी है और 24 मार्च तक 11276 घरों और

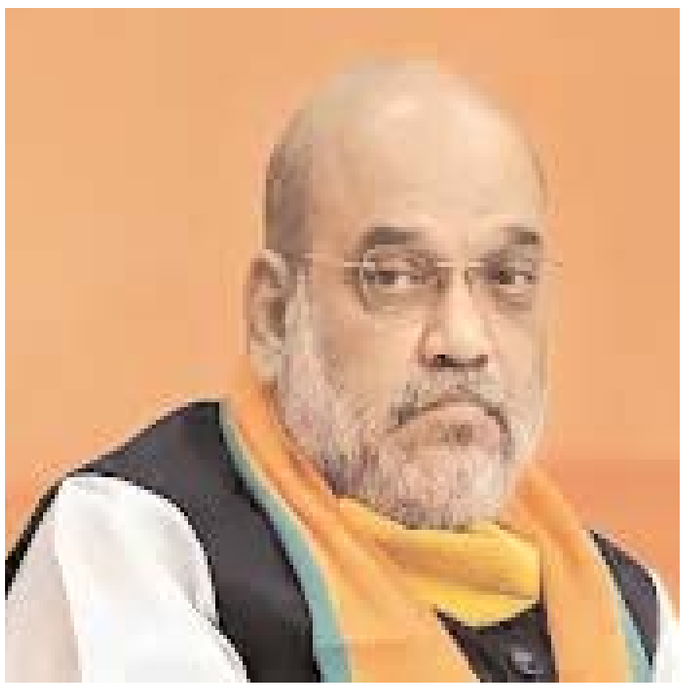

111 बैरकों का निर्माण पूरा हो चुका है। हमने सीएपीएफ ई आवास वेब पोर्टल के माध्यम से खाली घरों को आवंटित करने का भी काम किया है। प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना हमारे पुलिसकर्मियों के बच्चों के लिए वरदान साबित हुई है और सीएपीएफ कर्मियों के आश्रितों के लिए 26 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आरक्षित की गई हैं। केंद्रीय अनुग्रह राशि में वृद्धि और एकमुश्त मुआवजा देने से हमारे युवाओं के परिवारों को राहत मिली है। हमने विकलांगता अनुग्रह राशि में और वृद्धि करके भी इस दिशा में काम किया है।

उन्होंने कहा, हमारे पुलिसकर्मी, विशेषकर सभी सीएपीएफ कर्मी, कानून व्यवस्था की स्थिति और देश की सुरक्षा को संभालने के अलावा और भी कई काम करते हैं। आज मैं देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि 2019 से लेकर 2024 तक हमारे सीएपीएफ के जवानों ने करीब 5 करोड़ 80 लाख 90 हज़ार पौधे लगाए हैं और उन्हें अपने बच्चों की तरह पालने और बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार के एक प्रोग्राम के माध्यम से सभी सीमावर्ती जिलों में भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने का काम भी किया जा रहा है।

साथियों आज वो दिन है, जब हमें अपने सभी शहीद पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि देता हूं, उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए और आज मैं उन शहीद पुलिस जवानों के परिवारों को विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि आपके परिजनों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

देश की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और 2047 में देश एक विकसित राष्ट्र बनेगा और उस समय भी जब आज़ादी की शताब्दी मनाई जाएगी, तब भी एक पुण्य राष्ट्र आपके परिजनों के बलिदान को नमन करके उन्हें हमेशा याद रखेगा। आज एक बार फिर श्रद्धांजलि के माध्यम से अब तक बलिदान देने वाले सभी हजारों पुलिसकर्मियों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं।

पीएम मोदी डिग्री मामला

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल को बड़ा झटका, समन को रद्द करने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री मामले में बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि के इस मामले पर रोक लगाने की उनकी मांग को खारिज कर दिया है, जिससे अब केजरीवाल के खिलाफ गुजरात में आपराधिक मानहानि का मामला चलता रहेगा। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने निचली अदालत से जारी समन को चुनौती देते हुए मामले में रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले, गुजरात हाईकोर्ट ने भी उनकी इस मांग को अस्वीकार कर दिया था। इससे पहले, अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने आप नेता संजय सिंह की समान मांग को भी ठुकरा दिया गया था और अब केजरीवाल की याचिका भी अस्वीकार कर दी गई है। बता दें कि गुजरात यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार पीयूष पटेल ने अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह की टिप्पणियों के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। अरविंद केजरीवाल ने मांग की थी कि उनके खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले पर रोक लगाई जाए। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट की एक अन्य बेंच ने इसी मामले में आठ अप्रैल को संजय सिंह की याचिका को खारिज कर दिया था। बेंच ने कहा कि हमें समान दृष्टिकोण अपनाना होगा। इससे पहले, गुजरात हाईकोर्ट ने फरवरी में संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। याचिका में उन्होंने मामले में उनके खिलाफ जारी समन को रद्द करने की अपील की थी। सिंह और केजरीवाल ने गुजरात यूनिवर्सिटी की ओर से दायर मामले में निचली अदालत द्वारा दायर समन और उसके बाद सत्र न्यायालय से जारी समन के खिलाफ उनकी पुनरीक्षण याचिकाओं को खारिज करने के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

10 बिस्वा जमीन नाम न करने पर बेटे ने पिता की ईंट से वार कर की हत्या

उन्नाव (एजेंसी)। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भांडी गांव में रहने वाले एक बेटे ने अपने ही पिता को जमीन न देने को लेकर ईंट से सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी बेटे ने ही पुलिस को सूचना दी और कहा उसके बड़े भाई ने पिता की हत्या कर दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो सूचना देने वाले बेटे को हिरासत में लिया है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आरोपी से पूछताछ के साथ ही दूसरे भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

जानकारी के अनुसार भांडी गांव के रहने वाले शिवनारायण दीक्षित (92)पुत्र स्व. सुंदर दास के पांच बेटे गोपाल, सुनील, सोनू, दीपू, संदीप है। रविवार की भोर पहर छोटे बेटे संदीप ने पिता से अपने हिस्से की आठ बिस्वा जमीन अपने नाम करने को कहा इसको लेकर पिता ने इस बात का विरोध किया और कहा कि हमारे न रहने के बाद सभी बेटों को जमीन मिल जाएगी। इस बात से आक्रोश होकर संदीप ने पास पड़े एक ईंट से पिता के सिर पर कई वार कर दिए और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद संदीप दीक्षित ने अजगैन थाना पुलिस की जानकारी दी कि उसके बड़े भाई ने पिता की हत्या कर दी है। हत्या की सूचना पर अजगैन कोतवाली प्रभारी अवनीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

महाविकास अघाड़ी' में सीट शेयरिंग को लेकर कोई मतभेद नहीं : संजय राउत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को दावा किया कि महाविकास अघाड़ी में सीट शेयरिंग को लेकर कोई मतभेद नहीं है।

चुनावी राज्य महाराष्ट्र को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज है, इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सीट बंटवारे में हो रही लेट-लतीफी को लेकर कहा कि सोमवार शाम तक टिकटों के बंटवारे को लेकर बात बन जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हाईकमान दिल्ली में बैठा है, उनके निर्णय दिल्ली में होते हैं।

संजय राउत ने आगे कहा कि सीटों को लेकर ज्यादा मतभेद नहीं होगा और हम लोग एक साथ बैठकर इसको सुलझा देंगे। सीटों के बंटवारे में

पार्टी के कुर्बानी के सवाल पर उन्होंने कहा कि बात कुर्बानी की नहीं, बल्कि देशहित और महाराष्ट्र हित की है। कुछ सीटों के लिए हमने बड़ा दिल दिखाया था, क्योंकि हमे संविधान के दुश्मनों को हराना था। अब महाराष्ट्र की भ्रष्ट सरकार को, जो संविधान के खिलाफ काम करती है, उसको नीचे उतारना है।

उन्होंने कहा कि हम सभी राजनीति में सालों साल से काम कर रहे हैं। सभी पार्टी को लगता है कि उनके कार्यकर्ता को उम्मीदवारी मिलनी चाहिए। जैसे शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार) को लगता है, वैसे ही कांग्रेस को भी लगता होगा। महाविकास अघाड़ी अलायंस में सबको अपनी-अपनी भूमिका रखने का अधिकार है। लेकिन जब सीट शेयरिंग की बात आती है तो थोड़ा बहुत त्याग करके एक कदम पीछे लेना पड़ता है।

पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से ट्रेविस हेड ने खुद को किया बाहर

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले परिवार के साथ समय बिताने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेलेंगे।

पिछले साल के वनडे विश्व कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने के बाद से ट्रेविस हेड का शेड्यूल काफी व्यस्त रहा है, उन्होंने कई टूर्नामेंट लगातार खेले हैं और लगभग हर दौरे पर टीम के साथ रहे। लेकिन अब वह अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं, इसलिए वह एक छोटे ब्रेक पर जाएंगे।

हेड दूसरी बार पिता बनने वाले हैं, इसलिए वह कुछ समय अपनी पत्नी और परिवार के साथ बिताना चाहते हैं। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने हेड के हवाले से कहा, भविष्य में मैं शायद अपने परिवार को ध्यान में रखकर निर्णय लूंगा और जो चीज मुझे खेलने के लिए प्रेरित करती है, वह शायद मेरा परिवार और मेरे साथी हैं। मुझे व्यक्तिगत चीजों या अपने करियर के बारे में सोचने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार को खुश रखना चाहता हूं, मैं अपने साथियों के साथ खेलना चाहता हूं और मैं जो कर रहा हूं उसका आनंद लेना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पिछले कुछ वर्षों में यह बहुत अच्छा किया है। मुझे अभी भी क्रिकेट खेलना पसंद है।

हांगकांग में एशियाई क्रॉस कंट्री में भारत ने 7 स्वर्ण पदक जीते

हांगकांग (एजेंसी)। रविवार को एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों ने हांगकांग गोल्फ क्लब के कोर्स पर अपना दबदबा बनाते हुए सात गोल्ड मेडल जीते, जिनमें से तीन व्यक्तिगत श्रेणियों में थे।

शीर्ष भारतीय एथलीटों ने अपने सत्र की पहली महाद्वीपीय क्रॉस कंट्री में व्यक्तिगत वर्ग में तीन रजत और एक कांस्य सहित 11 पदक जीते। भारत ने सभी चार टीम श्रेणियों- पुरुष, महिला, पुरुष अंडर 20 और महिला अंडर 20 में स्वर्ण पदक जीते। पुरुषों की व्यक्तिगत 10 किलोमीटर स्पर्धा में जहां क्लीन स्वीप हुआ, वहीं भारतीय महिला एथलीटों ने व्यक्तिगत 10 किलोमीटर दौड़ में स्वर्ण और रजत पदक जीता लेकिन कांस्य पदक से चूक गईं।

एशियाई खेलों के पदक विजेता और 5,000 मीटर, 10,000 मीटर ट्रैक स्पर्धाओं में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक गुलवीर सिंह पुरुषों की 10 किलोमीटर दौड़ में शीर्ष पर रहे। उनका स्वर्ण पदक जीतने का समय 32:43 था। अभिषेक पाल 32:49 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अरुण राठौड़ 32:51 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कार्तिक कुमार चौथे स्थान पर रहे।

भारत की सीमा ने 37:20 का समय लेकर हमवतन संजीवनी जाधव को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। संजीवनी ने भी 37:20 का ही समय लिया और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

बुमराह को छोड़ बेदम रहे बाकी गेंदबाज, न्यूजीलैंड ने बेंगलुरु टेस्ट 8 विकेट से जीता

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बेंगलुरु में खेले जा रहे टेस्ट के 5 वें दिन का खेल जल्द शुरू होने वाला है. भारत के पास 107 रन को डिफेंड करने की चुनौती है. बारिश की और आउट फिल्ड के गिला होने की वजह से मैच 5 वें दिन भी निर्धारित समय से न शुरु नहीं हो सका. मैच 10:15 में शुरु हुआ. मैच शुरु होते ही दिन की दूसरी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने टॉम लैथम को आउट कर पहली सफलता दिलाई. इसके बाद उन्होंने डेवन कॉन्वे को भी आउट किया लेकिन इसके बाद कीवी टीम का कोई विकेट नहीं गिरा. विल यंग और रचिन रवींद्र ने नाबाद 75 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी. बेंगलुरु टेस्ट में न्यूजीलैंड ने भारत को 8 विकेट से हरा दिया है. जसप्रीत बुमराह ने शून्य और 35 के स्कोर पर कीवी टीम को 2 झटके दिए थे लेकिन उसके बाद रचिन रवींद्र और विल यंग ने 75 रन की साझेदारी कर टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी. यंग 38 और रवींद्र 39 पर नाबाद रहे. जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दे दिया है. डेवन कॉन्वे 17 रन बनाकर 35 के स्कोर पर आउट हुए. बुमराह ने ही भारत को पहली सफलता भी दिलाई थी.

दूसरे टेस्ट के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मिली टीम में जगह, गिल-पंत पर होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार झेलने के बाद टीम इंडिया में वॉशिंगटन सुंदर को बतौर ऑलराउंडर टीम इंडिया में शामिल किया गया है। वॉशिंगटन सुंदर ने दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 152 रन बनाए थे। वहीं इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक शुभमन गिल अभी भी गर्दन की जकड़न से ठीक नहीं हो पाए हैं वहीं केएल राहुल फॉर्म में नहीं हैं और ऋषभ पंत को घुटने में तकलीफ है। ऐसे में पुणे टेस्ट में पहले भारत अपनी बल्लेबाजी को लेकर चिंतित है। 0-1 से पिछड़ने के बाद इस बात को लेकर भी काफी दिलचस्पी है कि पुणे में भारत किस तरह की पिच का चुनाव करेगा। बेंगलुरु में कीवी तेज गेंदबाजों के सामने उनकी बल्लेबाजी फ्लॉप रही थी। हालांकि, ये बल्लेबाजो को दिक्कत परिस्थितियों की वजह से हुई खासकर जब पिच पूरे दिन कवर्स से ढकी रही। अक्षर पटेल टीम में पहले से ही हैं, लेकिन फिर भी वॉशिंगटन सुंदर को शामिल करने का अनुरोध टीम प्रबंधन ने ही किया था। उनका मानना है कि पुणे में उनकी

फिंगर स्पिन काम आ सकती है और वह बल्लेबाज के तौर पर भी भरोसेमंद विकल्प हो सकते हैं। भारत के व्हाइट बॉल सेटअप के नियमित सदस्य होने के बावजूद वॉशिंगटन ने 2021 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है जब विराट कोहली कप्तान थे और रवि शास्त्री मुख्य कोच थे। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई को प्राथमिकता दी है। ऑस्ट्रेलिया दौरे को देखते हुए ऑलराउंडर विकल्प होने से भारत को टीम संतुलन की चिंता किए बिना एक मजबूत तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ उतरने का विकल्प मिलेगा। वहीं ऐसा भी कहा जा रहा है कि पुणे में टर्निंग पिच का विकल्प भारत चुन सकता है। लेकिन वे ये विकल्प चुनते हैं या नहीं ये देखना अभी बाकी है। ऐसे में भारत के लिए घबराने और रैंक टर्नर का विकल्प चुने का कोई कारण नहीं है क्योंकि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनका पहली पारी का कुल स्कोर 46 रन था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अंक हासिल करने के लिए भारत सफलता के अपने पुराने फॉर्मूले पर वापस आ सकता है।

37 वर्षीय इस खिलाड़ी ने तोड़ा मिताली राज का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 साउथ अफ्रीकी टीम के लिए अच्छा साबित नहीं हुआ। जहां पहले आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप और अब महिला टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीकी टीम का दिल टूटा है। दरअसल, रविवार को न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब जीता। न्यूजीलैंड की टीम ये खिताब जीतने वाली चौथी टीम बनी। कीवी टीम टूर्नामेंट से पहले लगातार 10 टी20 मैच हारी थी। इसके बाद उसने खिताब जीत लिया। वहीं 37 साल की सूजी बेट्स ने भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज का बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया। बता दें कि, सूजी महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। इस वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड की टीम लगातार 10 टी20 मैच हारी। ये वर्ल्ड कप से पहले किसी भी टीम की सबसे लंबी हार का सिलसिला है। न्यूजीलैंड ने फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 विकेट पर 158 रन बनाए। ये महिला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इस वर्ल्ड कप में अमेलिया केर ने 15 विकेट लिए, जो महिला टी20 वर्ल्ड कप के किसी भी सीजन में किसी भी खिलाड़ी द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं।

आईओए हमारे सुझावों पर ध्यान नहीं देता, खिलाड़ी आयोग की प्रमुख मैरीकोम ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष महान मुक्केबाज एमसी मैरीकोम ने कहा है कि उन्होंने राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सुझाव देना बंद कर दिया है क्योंकि उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता। मैरीकोम उन 10 शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्हें नवंबर 2022 में आईओए खिलाड़ी आयोग में चुना गया था। आईओए में इस समय खींचतान चल रही है जिसमें पदाधिकारियों का एक वर्ग अध्यक्ष पीटी उषा के कामकाज के तरीके पर सवाल उठा रहा है। उषा ने हालांकि अपने खिलाफ सभी आरोपों से इनकार किया है। आईओए में चल रहे सत्ता संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर मैरीकोम ने पीटीआई से कहा, ''मैं आईओए के कामकाज में शामिल नहीं हूं। हमने आईओए के साथ कई बातें साझा की, लेकिन उन्होंने मेरी बात नहीं सुनी। वे मेरे सुझावों को नहीं सुनते। मैं राजनीति नहीं जानती और मैं किसी को दोष नहीं देना चाहती।'' भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक से पदक के बिना लौटे और मैरीकोम इस नतीजे से बेहद निराश थीं। 41 वर्षीय मैरीकोम ने अफसोस जताया कि ओलंपिक से पहले भारतीय मुक्केबाजी महासंघ में किसी ने उनकी मदद नहीं मांगी। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं बता सकती कि क्या गलत हुआ क्योंकि उन्होंने मुझे आमंत्रित ही नहीं किया। वे मेरे अनुभव का इस्तेमाल कर सकते थे। मैं मुक्केबाजों को उनकी कमजोरियां और मजबूत पक्ष बता सकती हूं।'' लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता मैरीकोम को लगता है कि जब तक कोचिंग संरचना में सुधार नहीं किया जाता तब तक पदक नियमित रूप से नहीं आएंगे।

दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी वर्ल्ड कप में जीता सिल्वर मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में इस बार खिलाड़ियों ने काफी निराश किया और देश को एक सिल्वर मेडल सहित 6 ब्रॉन्ज मेडल ही मिले। इसी कड़ी में भारतीय तीरंदाज टीम भी मेडल जीतने में नाकामयाब रहीं। वहीं दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी को ओलंपिक में पदक न जीत पाने की निराशा और मलाल था। लेकिन अब रविवार को तीरंदाजी वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीत कर ओलंपिक की निराशा को खत्म कर दिया है। बता दें कि, इस टूर्नामेंट में दीपिका को फाइनल में चीन की लि जियामान के हाथों हार झेलनी पड़ी लेकिन उन्हें सिल्वर अपने नाम करने में कामयाबी जरूर मिली।

इससे पहले सेमीफाइनल में उन्होंने मेक्सिको की टोक्यो ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अलेजेंड्रा वेलेंसिया को 6-4 से मात दी थी। वहीं क्वार्टर फाइनल में चीन की यैंग को 6-0 से मात दी थी। वहीं दीपिका ने आर्चरी वर्ल्ड कप में पिछला मेडल साल 2018 में जीता था। इसके बाद से वह इसके लिए संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, दो साल पहले मां बनी दीपिका ने ये 6 साल का इंतजार बखूबी खत्म किया है। साथ ही उन्होंने ये भी साबित कर दिया कि मां बनना उनकी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है और वह देश के लिए मेडल जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री से दो बार जयशंकर ने की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच मंगलवार शाम से दो मौकों पर अनौपचारिक बातचीत हुई और उनमें से एक में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों को बेहतर बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई। राजनयिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह बातचीत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन के इतर हुई, लेकिन दोनों देशों के ठंडे पड़े द्विपक्षीय संबंधों में किसी तरह की नरमी आने का कोई संकेत नहीं मिला। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने कहा कि जयशंकर की इस्लामाबाद यात्रा से रिश्तों पर जमी बर्फ पिघली है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा एससीओ प्रतिनिधियों के लिए अपने आवास पर आयोजित रात्रिभोज में जयशंकर और डार के बीच एक अलग बैठक हुई। उन्होंने बताया कि इस बैठक में पाकिस्तान के गृह

मंत्री मोहसिन नकवी भी शामिल हुए और संक्षिप्त बातचीत में क्रिकेट संबंधों में सुधार पर चर्चा की गई। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष भी हैं। पता चला है कि पाकिस्तानी पक्ष ने अगले साल फरवरी में पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत की भागीदारी का अनुरोध किया। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को एससीओ सम्मेलन के बाद आधिकारिक भोज में जयशंकर और डार एक-दूसरे के बगल में बैठे थे और बातचीत करते हुए देखे गए, जो सकारात्मक संकेत प्रतीत होता है। उन्होंने इस बारे में विस्तार से बताने से इनकार कर दिया। एक सूत्र ने बताया कि जयशंकर और डार के साथ बैठने की व्यवस्था की गई थी। मीडिया में तरार को उद्धृत करते हुए कहा गया, ''न तो हमने और न ही उन्होंने द्विपक्षीय बैठक के लिए अनुरोध किया...लेकिन मेरा मानना है कि उनका (जयशंकर का) यहां आना रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने वाला कदम है।'' पाकिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा को लेकर कुल मिलाकर सकारात्मक माहौल बना। सम्मेलन से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने जयशंकर से हाथ मिलाया और शिखर सम्मेलन स्थल 'जिन्ना कन्वेंशन सेंटर' में उनका और एससीओ के अन्य सदस्य देशों के नेताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। शरीफ और जयशंकर ने कल रात्रिभोज के दौरान भी हाथ मिलाया और संक्षिप्त बातचीत की।इस्लामाबाद से रवाना होने से पहले जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री शरीफ और पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार को धन्यवाद दिया। उन्होंने एससीओ के शासन प्रमुखों की परिषद की बैठक को भी 'सार्थक' बताया। जयशंकर ने कहा, ''इस्लामाबाद से प्रस्थान कर रहा हूं।

आतिथ्य-सत्कार के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री इशाक डार और पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद।'' दो अधिकारियों ने 'एक्स' पर विदेश मंत्री जयशंकर की पोस्ट का हवाला देते हुए कहा कि उनकी यात्रा अच्छी रही और इससे एक अच्छा माहौल बना।

वह दिन नदीम का था,पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल पर बोले नीरज चोपड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने से चूकने वाले भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने कहा कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी नहीं थी लेकिन वह दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था जो उन्हें पछाड़कर चैम्पियन बने। चोपड़ा ने आठ अगस्त को हुए फाइनल में 89 . 45 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता लेकिन नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए पहले ही प्रयास में 92 . 97 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बने। चोपड़ा ने यहां पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा ,'' कुछ भी गलत नहीं था, सब कुछ सही था। थ्रो भी अच्छा था। ओलंपिक में रजत प्राप्त करना भी कोई छोटी चीज़ नहीं है, लेकिन, मुझे लगता है कि प्रतियोगिता बहुत अच्छी थी और स्वर्ण पदक उसी ने जीता है जिसका वह दिन था। वह नदीम का दिन था।

यहां फीनिक्स पलासियो मॉल में अंडर आर्मर के नए प्रारूप वाले ब्रांड हाउस स्टोर का उद्घाटन करने आये चोपड़ा ने इस धारणा को खारिज किया कि हॉकी और क्रिकेट के बाद भाला फेंक भारत-

पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता का गवाह बनने वाला नया खेल बन गया है। उन्होंने कहा ,भाला फेंकने में कोई दो टीमें नहीं हैं, लेकिन विभिन्न देशों के 12 एथलीट हैं जो एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मैं 2016 से भाला फेंक में नदीम के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा हूं और यह पहली बार है कि नदीम ने जीत हासिल की है। नदीम के बारे में पूछने पर चोपड़ा ने कहा, वह (नदीम) एक अच्छा इंसान है, अच्छे तरीके से बोलता है, सम्मान करता है, इसलिए मुझे अच्छा लगता है। भालाफेंक में अपनी शुरूआत के बारे में उन्होंने कहा ,''वह एक अप्रत्याशित पल था, जब मैंने इसकी शुरुआत की। मुझे इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था। जब मैं मैदान पर गया, उस समय, यह निर्णय लिया।

यह पूछे जाने पर कि भाला फेंकने वाले को सबसे ज्यादा किस चीज की आवश्यकता होती है , चोपड़ा ने कहा कि ताकत, सहनशक्ति, मानसिक सहनशक्ति। 2011 में पहली बार भाला उठाने वाले चोपड़ा कहा , यह इन सभी चीजों का संयोजन है, और कोई एक चीज काम नहीं करेगी, बल्कि इन सभी चीज़ों को मिलाकर, जिसके पास सबसे अच्छी तकनीक होगी वह अच्छा प्रदर्शन करेगा। पहले भी लखनऊ आ चुके चोपड़ा ने कहा, मैं इससे पहले 2012 में खेलने के लिए लखनऊ आया था और तोक्यो ओलंपिक के बाद जब मुख्यमंत्री ने मुझसे आने के लिए कहा था।

यह मेरा (लखनऊ का) तीसरा दौरा है। 26 वर्षीय इस खिलाडी ने कहा पहले के लखनऊ और अब के लखनऊ में बहुत अंतर है।

उस वक्त मैं काफी छोटा था और चीजें ज्यादा याद नहीं रहतीं, उस वक्त मैं ट्रेन से आया था और अब अच्छा एयरपोर्ट बन गया है, अच्छा मॉल बना है और यह पहली बार है कि मैं यात्रा करके शहर को इतना करीब से देख पा रहा हूं।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने की नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा

सीवर लाइन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि सीवर लाइन के सभी घटकों के कार्यों में गति लाकर समय सीमा में कार्य पूर्ण कराया जाये। उन्होंने शहर के शेष क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने और उच्च स्तरीय टंकियों का निर्माण कार्य तेज करने के निर्देश भी कार्यकारी एजेंसी को दिये। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने सोमवार को नगर निगम और स्मार्ट सिटी सतना के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, आयुक्त शेर सिंह मीना सहित स्मार्ट सिटी और नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने स्मार्ट सिटी निधि से कराये जा रहे विजुअल इन्फ्रूवमेंट के शहर के कार्यों पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि डिवाइडर में आवश्यकता से अधिक मात्रा में डाली गई मिट्टी हटाकर पुष्प वाले पौधे रोपित करें। जिन स्थानों पर मिट्टी की जगह मुरूम डाली गई है। उसे निकालकर मिट्टी भरी जायें। डिवाइडर के आस-पास पडी हुई मिट्टी हटवाये और जो डिवाइडर मानक के अनुसार नहीं बने हैं, उन्हें तोडकर पुनः मानकों के अनुसार बनाये। साइकल ट्रेक की समीक्षा में राज्यमंत्री ने कहा कि सम्पूर्ण साइकल ट्रेक को अतिरिक्त मण से मुक्त रखकर साफसफाई करायें, जिन स्थानों पर साइकल ट्रेक टूट गये हैं। उन्हें व्यवस्थित करें। सार्थक हास्पीटल के पास सायकल ट्रेक पर पानी भरने की समस्या है उसे ठीक करायें। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि शहर में सार्वजनिक मार्गो पर ठेला, गुमटी के अतिरिक्त मण होने से यातायात में बहुत समस्या है। अतिरिक्त मण अधिकारी अपनी टीम के साथ सप्ताह में 2 दिवस शहर का भ्रमण कर गुमटी, ठेला हटवाने और व्यवस्थित करने की कार्यवाही करें, यह अभियान निरंतर चलायें। उन्होंने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थानों पर बडी-बडी डस्टबिन रखाये। शहर के दुकानदारों को भी प्रेरित कर निर्देशित करें कि अपने दुकान के सामने डस्टबिन रखें और दुकान का कचरा सडक पर नहीं फेंककर डस्टबिन में डाले। राज्यमंत्री ने सीवर के सभी घटकों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन स्थानों पर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। वहां गति लाकर समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराये।

राज्यमंत्री ने नगर निगम के पेयजल कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि स्मार्ट सिटी निधि से नगर निगम द्वारा शहर के बचे हुए शेष हिस्सों में पाइप लाइन बिछाने और चार स्थानों पर उच्च स्तरीय टंकियों के निर्माण का कार्य जिओ मिलर कंपनी द्वारा किया जा रहा है। कार्यपालन यंत्री ने बताया कि जिओ मिलर द्वारा पाइपलाइन बिछाने और उच्च स्तरीय टंकी का निर्माण अत्यंत धीमी गति से करने पर कंपनी को टरमिनेट करने का नोटिस भी दिया गया है। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि जिओ कंपनी को एक सप्ताह के भीतर कार्यों को प्रारंभ करने और एक माह में इन कार्यों में संतोषजनक प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया जाये।

राज्यमंत्री ने किया नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण

प्रदेश की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सोमवार को नगर निगम कार्यालय सतना का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कई कक्षों में अधिकारियों-कर्मचारियों के अपने निर्धारित सीट से अनुपस्थित पाये जाने पर राज्यमंत्री ने गंभीर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी-कर्मचारी नियत समय पर कार्यालय में उपस्थित रहकर सौपे गये दायित्वों का निर्वहन करें। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने नगर निगम कार्यालय के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से चर्चा कर उनकी कार्यशैली की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लम्बे समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन की 110 शिकायतें शून्य करायें-कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने विभिन्न विभागों से संबंधित लम्बे अंतराल से लंबित चली आ रही सीएम हेल्पलाइन की 110 शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि इन शिकायतों में की जाने वाली कार्यवाही भी की जा चुकी होगी। विभाग के अधिकारी इन शिकायतों को देखे ओर अपात्र या नियमानुसार कार्यवाही नहीं हो सकने पर इन्हें बंद कराये। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने इन 110 शिकायतों की विभागवार और शिकायतवार समीक्षा की। सोमवार को संपन्न समय सीमा प्रकरणों की बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन, एसडीएम एपी द्विवेदी, जितेन्द्र वर्मा, राहुल सिलाडिया, सुधीर बेक सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि इस माह के अंतिम सोमवार को समाधान आनलाइन कार्यरम शुरू हो रहा है। समाधान के विषय की सीएम हेल्पलाइन पर विशेष फोकस कर इनका निराकरण करें। समाधान में जिस प्रकृति और विभाग से संबंधित शिकायतें चयनित होगी। उस विभाग के जिला अधिकारी सम्पूर्ण जानकारी के साथ समाधान में उपस्थित भी रहेंगे। सीएम हेल्पलाइन की कुल लंबित 12 हजार 88 शिकायतें लंबित होने पर कलेक्टर ने कहा कि सम्मिलित जिले में इतनी शिकायतें हुआ करती थी। इस सप्ताह लगभग 2 हजार शिकायतें कम हुई है। लेकिन औसत से अधिक संख्या में अभी भी शिकायतों का लंबित रहना विभागों के प्रयास संतोषजनक नहीं माने जायेंगे। लंबित शिकायतों में राजस्व की 2585, महिला बाल विकास 1423, ऊर्जा विभाग 1422 सर्वाधिक हैं। सितंबर माह की शिकायतें लगभग 9 हजार है। इन शिकायतों पर फोकस कर निराकृत करें ताकि जिले की ग्रेडिंग में सुधार लाया जा सके। राजस्व विभाग की तहसीलवार समीक्षा में बिरसिंहपुर तहसील और जैतवारा में प्रगति असंतोषजनक पाये जाने पर कलेक्टर ने तहसीलदार बिरसिंहपुर और नायब तहसील जैतवारा को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने सभी एसडीएम को अपनी तहसील की सीएम हेल्पलाइन के निराकरण की सतत समीक्षा करने के निर्देश दिये। एक हजार दिवस से अधिक की लंबित 110 शिकायतों की शिकायतवार समीक्षा कर कलेक्टर ने एक हफ्ते के भीतर इन्हें शून्य पर लाने के निर्देश दिये।

एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव 23 अक्टूबर को जिला रोजगार कार्यालय सतना में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 अक्टूबर 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला जिला रोजगार कार्यालय सतना में राजेन्द्र नगर गली नम्बर 12-13 में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजित किया जा रहा है। जिसमें सभी महिला एवं पुरूष बेरोजगार आवेदक निर्धारित योग्यता पूरी करते हैं। अपने मूल रिकार्ड के साथ उपस्थित होकर अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। इसमें कंपनी आटो मोबाइल सेक्टर अहमदाबाद गुजरात में मशीन आपरेटर पद के लिए 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, कंपनी एसबीआई बैंक सतना, रीवा एवं पन्ना में आरईडीआरई पद के लिए 12वीं/ग्रेजुएशन, कंपनी प्रगतिशील बायोटेक सतना में सेल्स रिप्रेजेंटेटिव पद के लिए 12वीं/ग्रेजुएशन तथा सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर/हाउस कीपिंग पद के लिए 8वीं, 10वीं पास/फेल सुपरवाईजर हेतु 12वीं पास आवेदक रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। इस दौरान आवेदक की उम्र 18 से 34 वर्ष निर्धारित की गई है। आवेदक को अपने साथ बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, वोटर कार्ड, पासपोर्ट साइज के फोटो एवं शैक्षणिक योग्यता से संबंधित दस्तावेज साथ में लाना अनिवार्य है।

आउट सोर्स एजेंसी पर 10 हजार रूपये का जुर्माना, बीएमओ, डीई को नोटिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने सोमवार को स्वास्थ्य केन्द्र अमरपाटन सहित ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण के दौरान स्कूल, ग्राम पंचायत, राशन दुकान एवं अन्य शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम अमरपाटन आरती यादव भी उनके साथ रही। कलेक्टर ने सबसे पहले अमरपाटन के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर अस्पताल की साफसफाई व्यवस्था, उपचार सेवाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में साफसफाई की व्यवस्था उचित नहीं पाये जाने पर आउटसोर्स एजेंसी पर 10 हजार रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया। अस्पताल के नये भवन में बिजली का कनेक्शन अभी तक नहीं हो पाने से शिफ्टिंग नहीं हो पा रही है। इस पर कलेक्टर ने बीएमओ डॉ. भदौरिया और संभागीय यंत्री मैहर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कन्या हाईस्कूल अमरपाटन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर में साफसफाई रखने, छात्राओं की लिखावट सुधारने तथा खान-पान की वस्तुओं के बाहर से लाने पर रोक लगाने के निर्देश प्राचार्य को दिये। कलेक्टर ने सेटेलाइट प्राथमिक शाला भोगम का भी निरीक्षण किया। यहां मध्यान्ह भोजन वितरण की स्थिति खराब पाई गई। उन्होंने किचेन का निरीक्षण कर खाद्यान्न की गुणवत्ता भी देखी। मध्यान्ह भोजन वितरण और खाद्यान्न की गुणवत्ता खराब पाये जाने पर कलेक्टर ने मध्यान्ह भोजन में संलग्न स्व-सहायता समूह को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने अमरपाटन की ग्राम पंचायत पपरा में राशन दुकान, हाईस्कूल, पंचायत भवन और जल जीवन मिशन की जल वितरण यूनिट का भी निरीक्षण किया। राशन दुकान पपरा के बंद पाये जाने पर विक्रेता लक्ष्मण सिंह को नोटिस जारी करने के निर्देश एसडीएम अमरपाटन को दिये गये। इसी प्रकार हाईस्कूल पपरा के निरीक्षण में बच्चों की उपस्थिति न्यून पाये जाने और गतवर्ष का रिजल्ट 14 प्रतिशत पाये जाने पर कलेक्टर ने प्राचार्य और शिक्षकों को कक्षाओं में छात्रों की उपस्थित बढाने तथा रिजल्ट के स्तर में सुधार लाने के सख्त निर्देश दिये। पंचायत कार्यालय के निरीक्षण के दौरान सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर वेतन काटने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जल जीवन मिशन के तहत स्थापित जल वितरण इकाई जीर्ण-शीर्ण अवस्था में रहने और नल कनेक्शन नहीं पाये जाने पर संबंधित को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

एयरपोर्ट रोड पर मेला ग्राउण्ड में लगेंगी पटाखा दुकानें

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। दीपावली और देव उठनी एकादशी पर्व पर सतना शहर में पटाखा और आतिशबाजी लाइसेंसधारी फुटकर विक्रेताओं की दुकानें एयरपोर्ट रोड पर अमृत पार्क के बगल में मेला ग्राउण्ड पर लगेंगी। सतना नगर एवं जिले के तहसील स्तरीय नगरों में लगाई जाने वाली पटाखा दुकानें, बिक्री एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में अपर जिला मजिस्ट्रेट स्वप्निल वानखडे की अध्यक्षता में सोमवार को आवश्यक बैठक संपन्न हुई। इस मौके पर पटाखा विक्रेताओं को विस्फोटक अधिनियम 1984, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908, विस्फोटक अधिनियम 2008 तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। बैठक में एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया, नागौद एपी द्विवेदी, उचेहरा सुधीर बेक, सीएसपी महेन्द्र सिंह, टीआई सुदीप सोनी, रावेन्द्र द्विवेदी, प्रदुषण बोर्ड के अधिकारी तथा पटाखा आतिशबाजी व्यवसायी उपस्थित थे। अपर जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में निर्णय लिया गया कि सतना शहर में आतिशबाजी, पटाखे की दुकानें, अस्थाई शेड में मेला ग्राउण्ड में लगेगी। यहां नगर निगम द्वारा लगभग 100 अस्थाई शेड दुकानों का ले आउट तैयार किया गया है। विक्रेताओं के लिए नियत स्थल पर आतिशबाजी पटाखा भण्डारण, सुरक्षा व्यवस्था, फायर ब्रिगेड, पुलिस व्यवस्था, बिजली सप्लाई, यातायात व्यवस्था, इन्ट्री और एक्सिट पृथक गेट की व्यवस्था की जायेगी। दीपावली, एकादशी पर्व पर जिले में निर्धारित विक्रय स्थल के अलावा अवैध रूप से आतिशबाजी के भण्डारण एवं विक्रय करने वालों पर सूचना मिलने पर कडी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में दीपावली और एकादशी पर समय रात्रि 8 बजे से रात्रि 10 बजे के बीच ग्रीन पटाखों का ही उपयोग करने की अपील की गई है। आतिशबाजी विक्रेता 125 डेसीबल से ज्यादा आवाज वाले किसी भी प्रकार के पटाखे का विक्रय नहीं करेगा।

सभी अस्थाई लाइसेंस प्राप्त दुकानदार अनुज्ञप्ति जारी करने में दी गई शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करेंगे। प्रत्येक दुकानदार सावधानी बरतने के साथ दो-दो बाल्टियों में पानी, रेत एवं अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था रखेंगे।

अहंकार से भरा रावण इंसान और वानरों को समझता है तिनके के समान

भारतीय शैली के साथ होगी विदेशी श्रीरामलीला प्रसंगों की प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की ओर से 20 से 26 अक्टूबर 2024 तक श्रीरामकथा के विविध प्रसंगों की लीला प्रस्तुतियों पर एकाग्र सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव का आयोजन श्रीराघव प्रयाग घाट, नयागाँव चित्रकूट में किया जा रहा है। समारोह में लीला मण्डल रंगरेज कला संस्थान, उज्जैन के कलाकार प्रतिदिन शाम-7 बजे से श्रीरामकथा के प्रसंगों की प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इस अवसर पर "श्रीरामराजा सरकार" श्रीराम के छत्तीस गुणों का चित्र कथन प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। समारोह के पहले दिन रविवार को पूज्य संत रामजी दास महाराज, संतोषी अखाड़ा, पूज्य संत सीताशरण महाराज, जानकी महल, महंत श्री वरुण प्रसन्नाचार्य महाराज, बड़ा मठ, श्री अभय महाजन संगठन सचिव, दीनदयाल शोध संस्थान, प्रोफेसर भारत मिश्रा कुलगुरु, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, श्री अशोक जाटव अध्यक्ष, जिला पंचायत जनपद चित्रकूट, श्री नरेंद्र गुप्ता अध्यक्ष, नगर पालिका कर्वी, श्री पंकज अग्रवाल, अध्यक्ष, कोऑपरेटिव बैंक बांदा चित्रकूट, श्री जीतेंद्र वर्मा, एसडीएम तहसील मझगवां ने शुभारंभ दीप प्रज्जवलित एवं कलाकारों के स्वागत के साथ किया। पहले दिन शिव विवाह, रावण का विश्व विजय अभियान, श्री राम-जन्म, गुरु विश्वामित्र दशरथ संवाद प्रसंगों का मंचन किया गया।

श्रीराम ने वनवास के दौरान साढ़े ग्यारह वर्ष चित्रकूट में ही बिताए थे। उज्जैन के 40 कलाकारों ने अपने अभिनय से राघव प्रयाग घाट पर तुलीसदास लिखित प्रसंगों को एक बार फिर जीवंत कर दिया। कल-कल बहती देवगंगा के रूप में पूजी जाने वाली मां मंदाकिनी का जल प्रभू श्रीराम के जीवन की साक्षी रहा है। इसी नदी के किनारे घाट पर तुलसीदासजी को प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने भी दर्शन दिए थे। आज यही घाट प्रभु श्रीराम की लीला का साक्षी बन रहा है। रघुकुल में जन्में प्रभुश्री राम की लीला का प्रसंग की शुरुआत शिव-विवाह से होती है। शिव बारात में देवताओं के साथ राक्षस, भूत-प्रेत, पिशाच को देखकर पर्वतराज और उनका परिवार अंचभित हो गया। पार्वतीजी की माता को रूष्ठ देखकर भगवान विष्णु ने कहा कि भगवान शिव तो देवों के भी देव हैं, इसलिए इन्हें महादेव भी कहा जाता है। अगले दृश्य में दिखाया गया कि प्रभु श्रीराम वन में भटक रहे हैं, तब माता पार्वती, शिवजी से पूछती हैं कि ये वन में कौन भटक रहा है। तब शिवजी कहते हैं, ये श्रीराम हैं। वे माता सीता की खोज रहे हैं, जिनका हरण कर रावण ले गया है। क्या आप इस कथा को नहीं जानती, माता पार्वती के इंकार करने पर भगवान शिव उन्हें श्रीरामकथा सुनाते हैं।

अगले दृश्य में दिखाया गया रावण अपने भाई कुंभकर्ण, विभीषण और बहन सूर्पणखां के साथ ब्रह्माजी की कई सौ वर्षों तक तपस्या करते हैं। ब्रह्माजी प्रसन्न होकर उन्हें वांछित वर देते हैं। रावण वरदान मांगता है कि देवता, नाग, गरुड़, यक्ष, दानव, दैत्य और राक्षस के लिए मैं अवध्य हो जाऊं, अर्थात वो मेरा वध न कर पाएं। रावण अहंकार में कहता है कि मुझे ओर की परवाह नहीं है क्योंकि मनुष्य और वानरों को तो मैं तिनके के समान समझता हूं। ब्रह्माजी से वरदान पाकर रावण मनुष्यों से साथ देवता और ऋषि-मुनियों पर भी अत्याचार करता हैं।

पटवारी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों के काउंसलिंग की अंतिम तिथि 28 तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। म.प्र. पटवारी भर्ती परीक्षा 2022 के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों के सत्यापन तथा दस्तावेज परीक्षण के लिए तृतीय काउंसलिंग की अंतिम तिथि 28 अक्टूबर 2024 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के अनुसार प्रातः 11 बजे से अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन एवं काउंसलिंग की जाएगी। इसके लिए संयुक्त कलेक्ट्रेट धवारी, सतना के प्रथम तल में भू-अभिलेख कार्यालय के कक्ष ₹ मांक-एफ29 में काउंसलिंग की जायेगी। परीक्षण के लिए चयन समिति निर्धारित समय व स्थान पर उपस्थित होकर कार्य संपादित करेंगे।

कलेक्टर अनुराग वर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार समिति ₹ मांक-1 के लिए तहसीलदार मझगवां जीतेन्द्र तिवारी को अध्यक्ष तथा सीएम राइज स्कूल रामपुर बघेलान के प्राचार्य कमलेश सिंह बघेल तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहावल के प्राचार्य को सदस्य बनाया गया है। इसी प्रकार समिति ₹ मांक-2 के लिए तहसीलदार मैहर जितेन्द्र पटेल को अध्यक्ष तथा हाईस्कूल शिवपुरवा के प्राचार्य गरूण प्रताप सिंह तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेमरवारा के प्राचार्य सेवियल टोप्पो को सदस्य बनाया गया है। साथ ही रिजर्व अधिकारी के रूप में तहसील रघुराजनगर सौरभ मिश्रा को अध्यक्ष तथा सीएम राइज स्कूल मझगवां के प्रभारी प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद उपाध्याय एवं बीईओ मझगवां जगजीवनलाल साकेत को सदस्य बनाया गया है।

8 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (ग्रामीण) एलआर जांगडे द्वारा सर्पदंश से मृत्यु होने पर दो व्यक्तियों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जारी आदेशानुसार निवासी ग्राम करसरा सुशील कुमार कुशवाहा के पुत्र एवं निवासी ग्राम करसरा नंद कुमार कुशवाहा के पिता की मृत्यु सर्पदंश से होने पर 4-4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

पेंशन प्रकरणों का 30 अक्टूबर तक निराकरण करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर बीएस जामोद ने सभी आहरण संवितरण अधिकारियों तथा कार्यालय प्रमुखों को लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि सभी अधिकारी लंबित पेंशन प्रकरणों की आपत्तियों और कमियों को दूर कर 30 अक्टूबर तक प्रकरणों का निराकरण कराएं। जो अधिकारी और कर्मचारी 30 सितम्बर 2024 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं उन सभी के पेंशन प्रकरण पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। इन प्रकरणों को स्वीकृत कराकर संबंधित शासकीय सेवक को पीपीओ जारी कराएं।

कमिश्नर ने कहा है कि लंबित पेंशन प्रकरणों की जानकारी लेकर पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत करें। सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण सेवानिवृत्त दिवस से तीन माह पूर्व साफ्टवेयर में ऑनलाइन दर्ज कराएं। विभागीय जाँच तथा अन्य कमियों के कारण लंबित पेंशन प्रकरणों का भी निराकरण कराएं। समय सीमा में पेंशन प्रकरण का निराकरण न होने पर संबंधित कार्यालय प्रमुख और प्रभारी पेंशन लिपिक के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मुख्य सचिव जैन से अंतर्विभागीय समन्वय विषयों पर चर्चा की

सशक्त-स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिये स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं और कार्यों का तेज गति से क्रियान्वयन आवश्यक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सहज और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सशक्त-आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को मूर्त रूप देने, स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचनाओं को निरंतर सुदृढ़ करने के प्रयास किये जा रहे हैं। इन कार्यों के तेज गति से क्रियान्वयन के लिए विभागीय समन्वय आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में मुख्य सचिव अनुराग जैन से विभिन्न अंतर्विभागीय समन्वय विषयों पर गहन चर्चा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के प्रमुख विषयों पर तेजी से कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आवश्यक कार्यवाही हेतु संबंधित विभाग प्रमुखों को निर्देशित करें, ताकि कार्यों में तेजी लाई जा सके। प्रमुख सचिव वित्त मनीष रस्तोगी और प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 454 चिकित्सकीय संस्थानों में पदों की स्वीकृति के साथ ही, मेडिकल कॉलेजों में वेतन संरक्षण (पे-प्रोटेक्शन) के प्रस्ताव को प्राथमिकता देने के लिए कार्यवाही और समन्वय करने के निर्देश दिये। पैरामेडिकल कौंसिल से संबंधित अधिनियम को पुनः पूर्ववत करने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया गया। सामुदायिक केंद्रों और सिविल अस्पतालों के संचालन को आउटसोर्स आधार पर अनुमति देने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई, ताकि इसे शीघ्र ही अमल में लाया जाकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त किया जा सके। सहायक प्राध्यापक (मेडिकल कॉलेज) के पदों पर भर्ती की आयु सीमा को 40 वर्ष से 50 वर्ष किये जाने पर दिया जोर

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सहायक प्राध्यापक (मेडिकल कॉलेज) के पदों पर भर्ती की आयु सीमा को 40 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने की आवश्यकता को महत्वपूर्ण बताते हुए आवश्यक प्रस्ताव पर विमर्श किया। साथ ही नवीन जिलों में जिला अस्पतालों में पदों की स्वीकृति के मुद्दे पर विभागीय समन्वय के विषय पर चर्चा की गई। जबलपुर मेडिकल कॉलेज में नर्सिंग भर्ती में विशेष छूट देने का प्रस्ताव बैठक के प्रमुख बिंदुओं में शामिल रहा। रीवा मेडिकल कॉलेज, सतना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और इंदौर के एम वाय अस्पताल के उन्नयन और निर्माण हेतु परियोजना परीक्षण समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के लिए संबंधित कार्यवाही तेज करने के लिए उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट प्रावधान पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन, स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं के विकास के लिये स्वीकृति हेतु प्रस्ताव लंबित हैं, जिसके समाधान के लिए विभागीय सूचकांक को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही रीवा जिले के ग्राम हिनौती में गौ-अभ्यारण्य की स्वीकृति के लिए पशुपालन विभाग द्वारा तैयार प्रस्ताव पर स्क्रीनिंग कमेटी आवश्यक कार्यवाही के लिए उप मुख्यमंत्री ने कहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की घोषणा के अनुक्रम में सांदीपनी संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के रीवा परिसर में आधारभूत संरचना विकास (भवन/च्पुल निर्माण) तथा आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए उच्च शिक्षा विभाग से राशि प्रावधान करने की अनुशंसा की गई है। इस परियोजना को शीघ्र आमजन तक पहुँचाया जा सके इसके लिये आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चर्चा की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।